ISSN 2349-6614

दिसम्बर 2019

मूल्य 50 रु

प्रत्यूष

हिन्दी मासिक पत्रिका

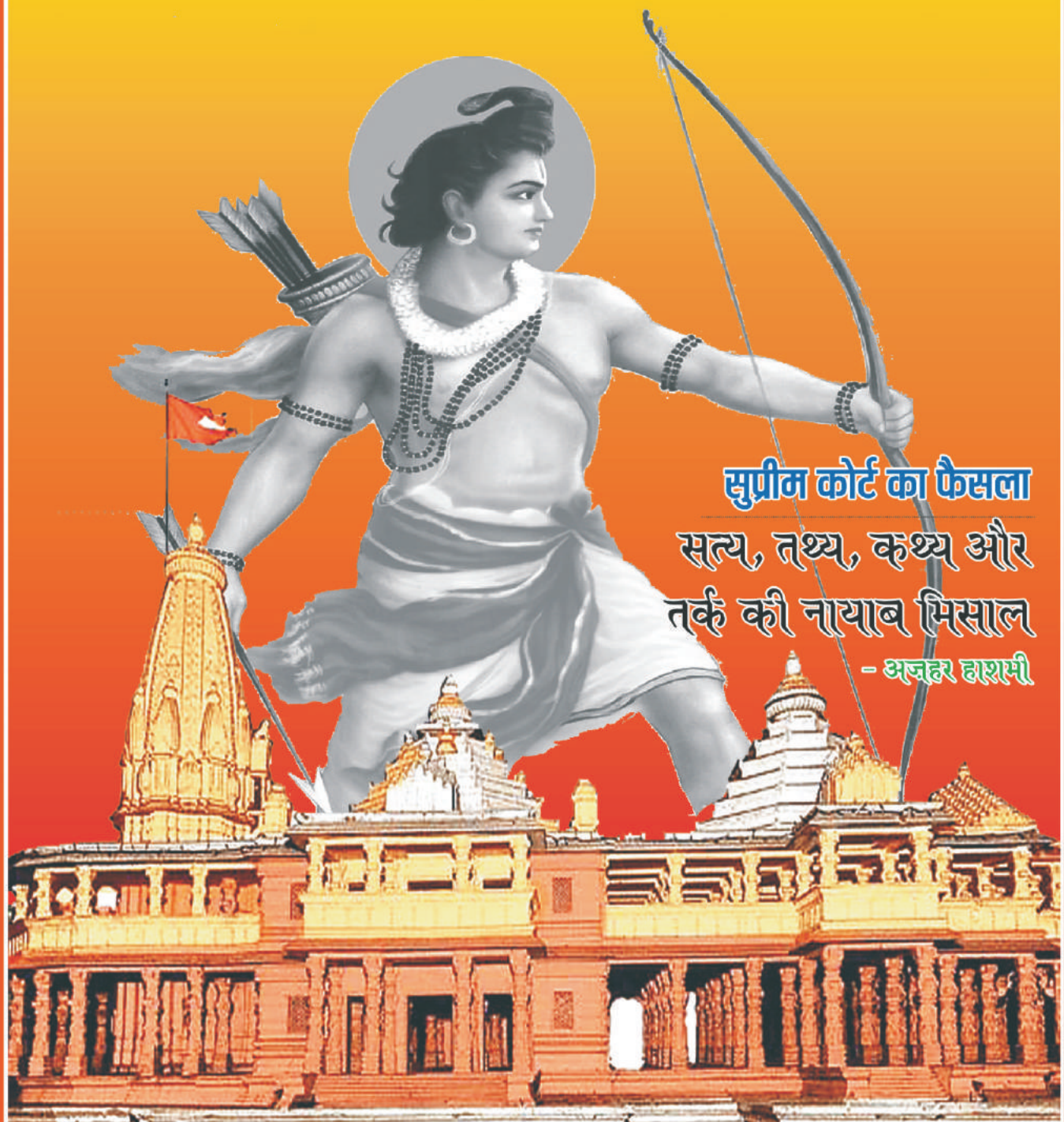

सुप्रीम कोर्ट का फैसला

सत्य, तथ्य, कथ्य और तर्क की नायाब मिसाल

- अज़हर हाशमी

प्रकाशन की तिथि प्रत्येक माह की 23 तारीख वर्ष 17 अंक 10 Postal Registration No. RJ/UD/29-62/2018-2020 Posting Date : 27th-28th of Every Month RNI No. : RAJHIN/2003/9297 Posting Office : Chetak Circle, Udaipur

Glow in gold
DP
IMP
India's Most Preferred
Best Promising Gems & Jewellery Company By- India Bullion and Jewellers Association Ltd.
India's Best Bridal Diamond Jewellery Award For The Year 2019
India's most preferred jeweller in Regional jewellers category (M.P and Rajasthan) by UBM India.
DP
D.P. Jewellers
A BOND OF TRUST SINCE 1940
A VENTURE OF D.P. ABHUSHAN LIMITED
RATLAM | INDORE | UDAIPUR | BHOPAL
www.dpjewellers.com DPJewellersIndia
GOLDEN LOCKER
UPGRADE YOUR JEWEL WARDROBE
Exchange & refresh the old jewellery in other locker at Zero Gram Loss & 100% Discount on Making Charges*
DAZZLING DIAMOND
Don't dream about Diamond Jewellery...Buy it!
YOUR BEST INVESTMENT IN SCINTILLATING SAVINGS
SWARN SAMRIDDHI
SMALL INVESTMENT BIG OPPORTUNITY
A golden Oppotunity to buy your dream jewellery in easy installments with discount
✦ Free Jewellery Insurance Facility
✦ 100% Buyback on Gold/Diamond Value
✦ 22 Karat (916) Purity @ 22 Karat (916) Gold Rate
✦ IGI Certified Diamond Jewellery Starting at ₹5000 Only
17, Nyay Marg, Court Chouraha, UDAIPUR. Ph.: 0294-2418712/13

क्रिसमस की
हार्दिक बधाई

दिसम्बर
2019
वर्ष 17, अंक 10

प्रत्यूष

मूल्य 50 रू
वार्षिक 600 रू

'प्रत्यूष' के प्रेरणा स्रोत मात श्रीमती प्रमिला देवी शर्मा एवं तात श्री आनन्दी लाल जी शर्मा
प्रत्यूष परिवार का शत्-शत् नमन चरणों में पुष्प समर्पण

प्रधान सम्पादक विष्णु शर्मा हितैषी

सम्पादक रेणु शर्मा

प्रबन्ध सम्पादक नीरज शर्मा, डॉ. वीणा शर्मा

विपणन प्रबन्धक नितेश कुमार, नन्द किशोर
मदन, भूमिका, उषा
चन्द्रप्रभा, संगीता

टाइप सेटिंग जगदीश सालवी

कम्प्यूटर ग्राफिक्स Supreme Designs
विकास सुहालका

सलाहकार मण्डल
गोपाल शर्मा (गोपजी), वैभव गहलोत
पवन खेड़ा, नीरज डांगी, कुलदीप इन्दौरा
कृष्ण कुमार हरितवाल, धीरज गुर्जर, अभय जैन
गजेन्द्र सिंह शक्तावत, लाल सिंह झाला
ओम शर्मा, अजय गुर्जर, आदित्य नाग
हेमन्त भागवानी, डॉ. राव कल्याण सिंह
अशोक तम्बोली, सुन्दरदेवी सालवी

छायाकार :
कमल कुमावत, जितेन्द्र कुमावत,
ललित कुमावत

चीफ रिपोर्टर : उमेश शर्मा

जिला संवाददाता
बांसवाड़ा - अनुराग चेलावत
चित्तौड़गढ - संदीप शर्मा
नाथद्वारा - लोकेश दवे
डूंगरपुर - सारिका राज
राजसमंद - कोमल पालीवाल
जयपुर - राव संजय सिंह
मोहसिन खान

प्रत्यूष में प्रकाशित सामग्री में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं, इनसे संस्थापक-प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सर्व विवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर होगा।

प्रत्यूष
हिन्दी मासिक पत्रिका
प्रकाशक - संस्थापक:
Pankaj Kumar Sharrma
''रक्षाबंधन'', धानमण्डी, उदयपुर-313 001

अन्दर के पृष्ठों पर...

13 नई सुबह

कश्मीर से कन्याकुमारी तक एक विधान

18 राहत की ख़बर

कुचला गया आतंक का एक और फन

20 निकाय चुनाव

कांग्रेस की दमदार वापसी

36 पर्यावरण

'हमें चाहिए साफ़ नीला आसमान'

40 खेल-खिलाड़ी

हरियाणा की छोरी का विस्फोटक अंदाज़

कार्यालय पता : 2, 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी, उदयपुर (राज)
दूरभाष एवं फैक्सः 0294-2427703 वाट्सएप 9414077697
मोबाइल : 94141-57703(विज्ञापन), वाट्सएप 75979-11992(समाचार-आलेख), 98290-42499(वाट्सएप), 94141-66737
Email:pankajkumarsharma2013@gmail.com, Visit us at: www.pratyushpatrika.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, संस्थापक, स्वामी पंकज शर्मा की ओर से मुद्रक आशीष बापना द्वारा मैसर्स पायोराइट प्रिन्ट मीडिया प्रा. लि. एम आई ए., उदयपुर से मुद्रित तथा 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी उदयपुर से प्रकाशित।

TMTL

TAFE MOTORS TRACTORS LIMITED
(A Tafe Group Company)

You can rely on us...

TMTL
EICHER ENGINES
5 TO 45 kVA
TMTL ENGINES
62.5 TO 125 kVA
#IndiaKaEngine

Silent Generators

TMTL
SOLAR

PROGRESSIVE SOLAR AND POWER SOLUTIONS PVT. LTD.
Group Company of SACHIN MOTORS PVT. LTD. & SUBHASH MOTORS
Head Office : CP 11, M.I.A., SINGHVI SQUARE, NEAR UCCI, UDAIPUR (RAJ.)
Branch Office : 46-A, Panchwati, Opp. Div. Commissioner Office, UDAIPUR - 313 001 (Raj.)
Mobile : 9619281494, E-mail : sachinsinghvi@gmail.com

With Best Compliments

ALLIED CONSTRUCTION

- Own Fleet of Buldozer's
- Hydraulic Excavators
- J.C.B.
- Dumpers
- Trailer
- Motor Grader
- Vibrator Soil Compactor
- Road Rollers and
- Breakers with Machines
  Tata - Hitachi Ex-200

ALLIED CONSTRUCTION
• Earth Movers • Civil Contractors • Fabricators

46, Moti Magri Scheme, Udaipur - 313001 INDIA
Tel .: (Off & Res) 2527306, 2560897 (W) 2640196
Fax : 0294-2523507 Email : allied_construction@rediffmail.com

चुनाव सुधारों के निर्भीक सूत्रधार

1990 से 1996 तक भारत के 10वें मुख्य चुनाव आयुक्त तिरूनेल्लई नारायण अय्यर शेषन(टी. एन. शेषन) ही थे, जिन्होंने राजनैतिक पार्टियों को लोकतंत्र में चुनाव आयोग की ताकत का अहसास कराया। नब्बे के दशक के पूर्वार्द्ध में निरंकुश राजनेताओं के सामने टी. एन. शेषन का नाम लेना भर ही काफी था। 10 नवम्बर 2019 को उनके निधन के साथ ही ऐसा लगता है कि लोकतंत्र के पुनरोद्धार के उस स्वर्णिम युग का ही अन्त हो गया है, जो तीन दशक पहले शुरू हुआ था। उनके बाद जितने भी मुख्य चुनाव आयुक्त पदारूढ़ हुए, उनके लिए शेषन द्वारा स्थापित आदर्श सदैव 'मील का पत्थर' रहे और उन्होंने पद की गरिमा को बनाए रखने का प्रयास भी उनके दिशा-निर्देशों और निर्णयों की रोशनी में किया। हम आज जिस चुनाव व्यवस्था पर गर्व करते हैं, उसे गढ़ने में सर्वाधिक योगदान शेषन का रहा है। हालांकि परिवर्तन और सुधार की अपेक्षाएं तो समय-परिस्थितियों के मुताबिक हर जगह, हर समय रहती हैं और आगे भी रहेंगी। यदि 1990 के पहले के चुनावों के विवरण के पन्ने पलटें अथवा जिन्होंने उस दौर के चुनावों को देखा है, उन्हें सहज याद आ जाएगा कि तब किस तरह से सत्तारूढ़ राजनेता अपने हानि-लाभ को देखते हुए अधिकारियों को चुनाव के समय पदस्थ करने में मशगूल हो जाते थे, किस तरह मतदान केन्द्रों पर बाहुबलियों की उपस्थिति से सन्नाटा पसर जाता था और मतपेटियों से 'वोट' लूट लिए जाते थे। शेषन पहले ऐसे प्रभावी मुख्य चुनाव आयुक्त के रूप में आए जिन्होंने न केवल दबंग अपराधी तत्वों पर गाज गिराने का काम किया बल्कि राजनेताओं तक को उन्होंने मर्यादा में रहने का इशारा करने का साहस भी दिखाया। मजाक में कहा गया उनका यह जुमला 'आई ईट पॉलिटिशियन्स फॉर ब्रेकफास्ट' ब्यूरोक्रेट्स के बीच खूब चर्चा में रहा। पी. वी. नरसिंह राव के प्रधानमंत्रित्वकाल में फर्जी वोटिंग को रोकने के लिए उन्होंने सरकार के सामने 'मतदाता पहचान पत्र' बनाने का प्रस्ताव रखा। साथ में इस पर खर्च होने वाले बजट को भी संलग्न किया। लेकिन उनकी मांग को नहीं माना गया। तब शेषन ने भी सरकार को अपने इस निर्णय से अवगत करवा दिया कि - 'ऐसी स्थिति में मेरे लिए चुनाव कराना कतई संभव नहीं है।' उस समय स्थिति यह थी कि राव राज्यसभा के सदस्य थे और चुनाव 6 माह के भीतर कराने भी ज़रूरी थे, अन्यथा सरकार का पतन हो जाता। शेषन के इस कड़े रूख से सरकार की हालत पतली हो गई और उसे उनका प्रस्ताव मानना ही पड़ा। इसके बाद तो एक के बाद एक उनके फैसले जिनमें चुनावों के दौरान अर्द्धसैनिक बलों का उपयोग भी शामिल था, निष्पक्ष चुनावों के सम्पादन में कारगर होते चले गए। उम्मीदवारों के खर्च पर अंकुश हो या फिर सरकारी हेलीकॉप्टर से चुनाव प्रचार के लिए जाने पर रोक शेषन ने ही लगाई थी। दीवारों पर नारे, पोस्टर चिपकाना, लाउडस्पीकरों का अमर्यादित शोर, प्रचार के नाम पर धार्मिक स्थलों का उपयोग, साम्प्रदायिक तनाव पैदा करने वाले भाषण-वक्तव्य, इन तमाम चीजों पर उन्होंने सख्ती दिखाई। राजनैतिक पार्टियों विशेषकर सत्तारूढ़ दलों के लिए चुनाव का मतलब अब पहले की तरह मनमानी का मौसम नहीं था। चुनाव आयोग में उनकी नियुक्ति से पहले शायद ही कभी उतनी मुखरता, प्रखरता और सख्ती देखी गई, जितनी उनकी नियुक्ति के बाद। छह वर्ष के कार्यकाल को शेषन ने अपनी ईमानदारी, कर्मठता और सबसे बढ़कर निर्भयता से सींचा और किसी भी अनैतिक दबाव के आगे नहीं झुके। उन्होंने साबित कर दिया कि यदि अफसर ईमानदार है तो वह सत्ता के अनैतिक निर्णय की निर्भीकता से उपेक्षा कर सकता है। जनता से उसे इस कदम के लिए नैतिक बल भी सहज रूप में उपलब्ध होगा।

तमाम चुनाव सुधारों के बावजूद आज भी चुनाव इतने खर्चीले हैं कि एक आम ईमानदार आदमी चुनाव लड़ने की कल्पना तक नहीं कर सकता। आज भी धन और बाहुबल के आधार पर प्रत्याशी मैदान में उतरते हैं और जीतने के बाद सबसे पहले खर्च किए पैसे की वसूली में लग जाते हैं। पार्टियां भी ऐसे ही लोगों को टिकट देती हैं। टिकटों को बेचने तक के आरोप नेताओं पर लगे हैं। सत्तारूढ़ दल सहित प्रभावशाली नेताओं द्वारा आचार संहिता के उल्लंघन की खबरें आम होती हैं। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एस. वाई. कुरैशी की कुछ माह पहले एक किताब आई थी 'द ग्रेट मार्च ऑफ डेमोक्रेसी : सेवन डिकेड्स ऑफ इंडियाज इलेक्शन' इसमें टी. एन. शेषन का लिखा एक अध्याय है, जिसमें उन्होंने उन बातों का खुलासा किया है कि किस तरह से चुनाव प्रणाली में सुधार के लिए उन्हें मुश्किलों से रूबरू होना पड़ा। किताब में कुरैशी ने देश के प्रथम चुनाव आयुक्त सुकुमार सेन से लेकर शेषन और खुद उनके रहते चुनाव प्रणाली में किए सुधारों का ब्यौरा दिया है। शेषन आज हमारे बीच नहीं हैं लेकिन वे अपने चुनाव सुधारों को लेकर तब-तब याद किए जाते रहेंगे, जब-जब भारत में चुनाव होंगे।

जे पी ऑर्थोपेडिक हॉस्पिटल
उदयपुर

27 वर्षों से
आपके लिए

For More Visit Us : www.jporthohospital.com

24x7 HELPLINE No: +91 7229933999

Facilities

- ICU, Modular Theater
- Digital X-Ray
- Modular Plaster Room
- C-ARM Machine
- Physiotherapy
- All Kinds Of Orthopadic Surgery
- Nailing
- Plating
- Prosthesis,
- Fixator etc.

100, Main MB College Road, Kumharo Ka Bhatta,
Udaipur-313001 Tel : 0294-2413606
E-mail : jp_taruna@yahoo.co.in

महाराष्ट्र में फिर फडणवीस सरकार

❖ राकांपा के अजित पवार ने बदला मुखौटा, बने उपमुख्यमंत्री ❖ उद्धव ठाकरे का फिलहाल टूटा सपना
❖ कांग्रेस बोली, 'बेशर्मी की इंतहा, भाजपा को शिकस्त देंगे और बनेगी दूसरी सरकार'

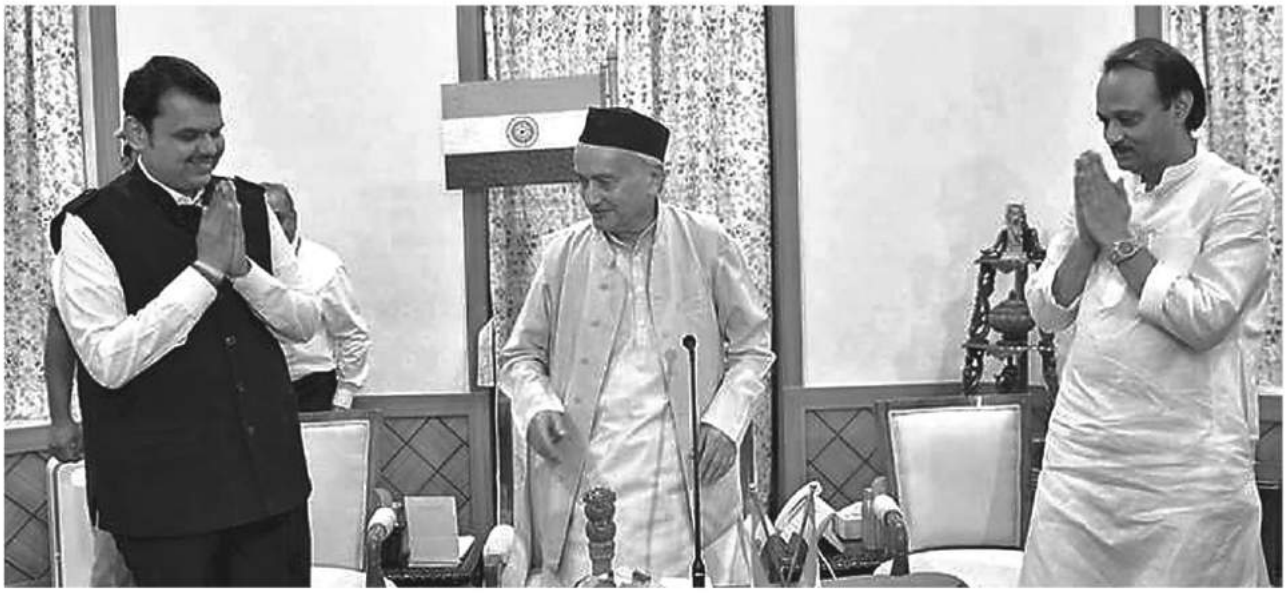

✍ उमेश शर्मा

महाराष्ट्र में तीन सप्ताह तक सरकार बनाने की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, शिवसेना और कांग्रेस की कवायद के बीच 23 नवम्बर की सुबह 8 बजे सभी टीवी चैनल और सोशल मीडिया पर भाजपा के नेतृत्व में देवेन्द्र फडनवीस सरकार बने जाने के समाचार सुखियों पर ही नहीं रहे बल्कि उन्हें राज्यपाल से मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाते हुए भी दिखाया गया। जबकि इसी दिन सुबह लोगों के घरों पर पहुंचे अखबारों में हेडलाइन लिखी थी 'उद्धव ठाकरे जल्दी ही लेंगे मुख्यमंत्री पद की शपथ, तीनों दलों की आज अन्तिम बातचीत और प्रेस कॉन्फ्रेन्स'। जिन लोगों ने सोशल मीडिया पर देवेन्द्र फड़नवीस के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के समाचार को देखा, तो एकाएक वे विश्वास नहीं कर पाए और इसे फेक न्यूज माना। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक मनु सिंघवी भी इस समाचार पर विश्वास नहीं कर पाए और फेक न्यूज मानते हुए पार्टी के साथियों के घरों पर फोन घनघनाने लगे। धीरे-धीरे यह स्पष्ट हो गया कि यह फेक न्यूज नहीं बल्कि फैक्ट न्यूज थी। फडनवीस के साथ राकांपा सुप्रीमो शरद पवार के भतीजे अजित पवार ने भी उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि एक रात में ही यह परिवर्तन और फैसला कैसे हुआ, किस-किस के बीच सहमति से हुआ और बहुमत की क्या स्थिति है। इसके साथ ही राज्य में 12 नवम्बर को लगा राष्ट्रपति शासन 23 नवम्बर की सुबह 5.47 बजे हट गया। फडनवीस और पवार ने 7.30 बजे शपथ ली।

अजित पवार के भाजपा के साथ जाने पर शरद पवार ने कहा कि यह उनका निजी फैसला है और राकांपा का इससे कोई लेना-देना नहीं है। पवार की बेटी सुप्रिया सुले ने ट्वीट किया - 'पार्टी और परिवार दोनों टूट गए।' कांग्रेस ने एक रात में बदले पूरे घटनाक्रम को लोकतांत्रिक मूल्यों की अवहेलना बताते हुए कहा कि संविधान की धज्जियां उड़ाई गई हैं, ये बेशर्मी की इंतहा है।

अजित का फैसला पार्टी लाइन से बाहर

राकांपा सुप्रीमो शरद पवार ने दोपहर में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेन्स में कहा कि कांग्रेस, शिवसेना और राकांपा सरकार बनाने के लिए साथ चल रहे थे, हमारे पास जरूरी नम्बर थे। हमारे विधायक सरकार बनाने का समर्थन कर रहे थे। कुछ निर्दलियों के समर्थन से हमारा आंकड़ा 170 तक पहुंच गया था। अजित पवार का फैसला पार्टी लाइन से अलग है। यह अनुशासनहीनता है। राकांपा का कोई भी नेता राकांपा-भाजपा सरकार के समर्थन में नहीं है। भाजपा और अजित पवार विधानसभा में बहुमत साबित नहीं कर पाएंगे। हम दोबारा सरकार बनाने की कोशिश करेंगे, जिसका नेतृत्व शिवसेना ही करेगी।

महाराष्ट्र विधानसभा में दलीय स्थिति (कुल सीटें 288, बहुमत : 145)	पार्टी	भाजपा	राकांपा	शिवसेना	कांग्रेस	बहुजन विकास अघाड़ी	एआईएमआईएम	निर्दलीय एवं अन्य
	सीट	105	54	56	44	3	2	24

लोकतंत्र का मजाक : ठाकरे

शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि देश में लोकतंत्र का मजाक बनाया गया है। ऐसे ही चलता रहा तो आगे देश में कोई चुनाव कराए ही नहीं जाने चाहिए।

बिना बैण्ड बाजे के शपथ

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी के सलाहकार अहमद पटेल ने कहा कि बिना बैण्ड बाजे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई गई। ये महाराष्ट्र के इतिहास का काला दिन है, प्रक्रिया का पालन नहीं हुआ। मुझे कुछ गलत होने की बू आ रही है। हमने कल राकांपा-शिवसेना के साथ बैठक की थी और आज की(23 नवम्बर) बैठक से पहले सुबह जो काण्ड हुआ उसकी आलोचना के लिए शब्द नहीं है। कांग्रेस के सभी विधायक एकजुट हैं। उनके टूटने की कोई संभावना नहीं है।

अपने-अपने दावे

राकांपा नेता नवाब मलिक ने कहा कि हमने उपस्थिति के लिए 40 विधायकों के दस्तखत कराए थे। शपथ के दौरान उन हस्ताक्षरों का गलत इस्तेमाल हुआ, भाजपा ने धोखे से सरकार बनाई है। जो विधानसभा के फ्लोर पर गिरेगी ही।

शिवसेना की वजह से हुआ

भाजपा के देवेन्द्र फडनवीस ने कहा कि शिवसेना की वजह से ही सरकार बनाने में विलम्ब हुआ। वह हमारे साथ गठबंधन करने की बजाय दूसरी जगह हाथ मिला बैठी। महाराष्ट्र जैसे अगड़े राज्य को यह शोभा नहीं देता कि यहां ज्यादा दिन राष्ट्रपति शासन रहे। यहां ऐसी कोई सरकार बननी भी नहीं चाहिए जो ज्यादा दिन न चल सके। मैं अजित पवार जी का शुक्रिया अदा करना चाहूंगा कि वे हमारे साथ आए।

शिवसेना को झांसे में रख मौके तलाशे

चुनाव के पहले राकांपा से भाजपा में आए एक बड़े नेता ने दोनों पार्टियों के बीच सेतु का काम किया। कहा जाता है कि उनकी मध्यस्थता के चलते शिवसेना को मुख्यमंत्री पद का झांसा देते हुए राकांपा ने बैठकों का सिलसिला जारी रखा। शिवसेना को मुख्यमंत्री पद के अलावा और कुछ सोचने का मौका ही नहीं मिल पाया और भाजपा व राकांपा के एक गुट ने खेल कर दिया।

Narayan Sharma
94141 56756
Director

NF

New
Furnitures

Manufacturer, Interior Decorators
& Labour Supervisor of Wooden
Furniture & Aluminum Section

1-2, Court Chouraha, Udaipur - 313 001 (Raj.)
Ph.: 0294-2412665 (S) 0294-2484212 (R)

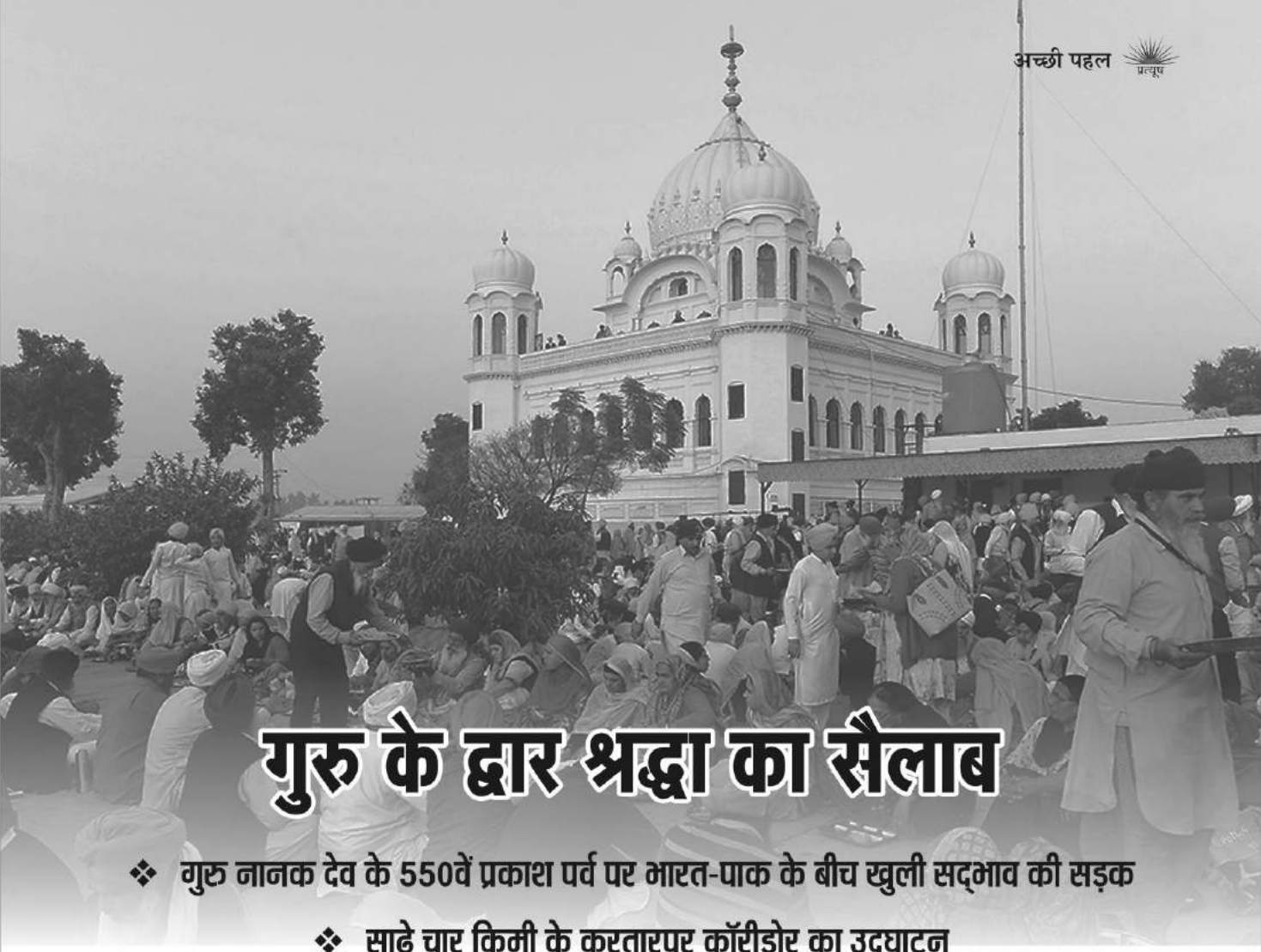

गुरु के द्वार श्रद्धा का सैलाब

❖ गुरु नानक देव के 550वें प्रकाश पर्व पर भारत-पाक के बीच खुली सद्भाव की सड़क

❖ साढ़े चार किमी के करतारपुर कॉरीडोर का उद्घाटन

✍ पंकज कुमार शर्मा

भारत और पाकिस्तान ने सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानकदेव के 550वें प्रकाशोत्सव पर करतारपुर कॉरिडोर खोल कर नया इतिहास रचा। दोनों देशों के बंटवारे के 72 साल बाद 9 नवम्बर को 550 भारतीय श्रद्धालुओं के पहले जत्थे ने गुरुद्वारा करतारपुर साहिब(पाकिस्तान) का दीदार किया और माथा टेका। इससे पहले भारतीय सीमा में पंजाब के गुरुदासपुर जिले के डेरा बाबा नानक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और पाकिस्तान के लरकाना जिले के करतारपुर में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान नियाजी ने करतारपुर कॉरिडोर का उद्घाटन किया। मोदी ने कॉरिडोर के चेकपोस्ट से 550 श्रद्धालुओं को रवाना किया। जिनमें पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह, शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष एंव पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल, केन्द्रीय मंत्री हरसिमरत कौर, पूर्व मंत्री नवजोत सिंह सिद्धू भी शामिल थे। पाकिस्तान ने अपनी सीमा में साढ़े 4 किमी गलियारे का निर्माण 11 माह में पूर्ण किया।

करतारपुर में ही गुरु नानक देव ने सिख धर्म की स्थापना की थी और अपने जीवन का एक लम्बा हिस्सा बिताया था। सिखों के दूसरे गुरु अंगद देव को यहीं गुरुपद प्रदान किया गया था। सिखों के लिए करतारपुर का गुरुद्वारा एक पवित्र स्थान है। अभी तक लोग सीमा के पास से दूरबीनों से ही इसकी झलक भर देख पाते थे। लेकिन भारत सरकार की सतत ठोस पहल और पाकिस्तान के सकारात्मक रुख से गलियारे का निर्माण हुआ और गुरुद्वारे तक पहुंचने का रास्ता बना। यह गुरुद्वारा अंतरराष्ट्रीय सीमा से मात्र साढ़े चार किलोमीटर की दूरी पर है। भारत ने अपने यहां से जाने वाले श्रद्धालुओं को सीमा के पास आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराईं। करतारपुर साहिब तक श्रद्धालुओं को जाने देने का मामला दो दशक पहले से चला आ रहा था। 1999, 2004 फिर 2008 में भारत ने इस मुद्दे को पाकिस्तान के समक्ष उठाया था, लेकिन पाकिस्तानी हुकूमत की हठधर्मिता के कारण सारी कोशिशें बेकार गईं। इसलिए करतारपुर गलियारे पर दोनों देशों के बीच हुआ समझौता गुरुनानक देव के पांच सौ पचासवें जन्मदिन के मौके पर सिख समुदाय के लिए किसी बड़े उपहार से कम नहीं माना जा सकता।

कश्मीर सहित कई मुद्दों को लेकर समय-समय पर भारत और पाकिस्तान के बीच रिश्ते नाजुक दौर में पहुंचते रहे हैं। करगिल युद्ध से ठीक पहले दोनों

करतारपुर कॉरिडोर का उद्घाटन करते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

देशों के बीच लाहौर-दिल्ली बस सेवा शुरू हुई थी। उसके बाद मुनाबाव-खोखरापार रेल लिंक और श्रीनगर-मुजफ्फराबाद बस सेवा के लिए समझौता हुआ था। लेकिन इस साल पुलवामा में सीआरपीएफ के काफिले पर आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान से रिश्तों में सुधार की सारी उम्मीदें छोड़ दी थीं। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को खत्म किए जाने के बाद से तो दोनों देशों के बीच युद्ध जैसे हालात बन गए और पाकिस्तान ने परमाणु युद्ध तक की धमकी दे डाली। इतना सब होते हुए भी अगर पाकिस्तान ने भारतीय सिखों के लिए करतारपुर साहिब गलियारे का रास्ता खोला है तो इससे उम्मीदें बनती हैं तो आशंकाएं भी उठती हैं। दोनों तरफ जब गलियारे के उद्घाटन की तैयारियां हो रही थीं, तभी पाकिस्तान सरकार की तरफ से करतारपुर साहिब गलियारे का एक वीडियो भी आया, जिसमें खालिस्तान का पोस्टर और कुछ उन लोगों की तस्वीरें थी, जिन्हें पूरा भारत आतंकवादी मानता है। जब करतारपुर साहिब परियोजना का उद्घाटन हुआ था, तब भी मौके पर एक अलगाववादी सिख नेता की न सिर्फ मौजूदगी थी, बल्कि उसे पाकिस्तान की ओर से खासा महत्व भी दिया जा रहा था। इन सबसे जो संदेह उपजते हैं, वे काफी बड़े और गंभीर हैं। यह आशंका तो शुरू से ही व्यक्त की जा रही थी कि कहीं इस गलियारे के पीछे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई की योजना पंजाब में अलगाववाद के बीज को फिर से पनपाने की तो नहीं है। यह आशंका खुफिया एजेंसियों को भी है और पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिन्दर सिंह को भी। जाहिर है, ऐसे में यह गलियारा हमारी आशंकाओं को भेदने का नहीं, उन्हें पुख्ता ही करने वाला जान पड़ता है। भारत और पाकिस्तान के विभाजन की हकीकत काफी उलझी हुई है। दोनों के बीच खिंची विभाजन रेखा सिर्फ दो देशों को ही अलग नहीं करती, बल्कि वह दिलों के बीच भी खिंची है और श्रद्धाओं के बीच भी। सिखों की आस्था के बहुत सारे केन्द्र अब उनके लिए एक अलग मुल्क का हिस्सा हैं, जहां मत्था टेकने के लिए पहुंचना ही टेढ़ी खीर है। देश के किसी भी गुरुद्वारे में जब भी अरदास होती है, तो पाकिस्तान के गुरुद्वारों को यह कहकर याद किया जाता है - 'जिना तो सिंहा नु विछोड़िया गया।' सिर्फ ऐतिहासिक गुरुद्वारे नहीं, चकवाल के कटासराज मंदिर जैसे तीर्थ स्थलों को भी हम ऐसे ही स्थानों में गिन सकते हैं।

सन् 1969 में अर्थात् गुरु नानक देव की 500वीं जयंती पर तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने तो यहां तक कहा था कि वो करतारपुर से भारत की सीमा तक की जमीन के बदले जमीन का कोई हिस्सा देकर करतारपुर को भारत में शामिल करने की कोशिश करेंगी। लेकिन बात नहीं बनी। इंदिरा-गांधी द्वारा की गई घोषणा के तीस साल बाद प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी जब शांति के संदेश के साथ एक बस लेकर पाकिस्तान गए तो उन्होंने तत्कालीन पाकिस्तानी प्रधानमंत्री नवाज शरीफ से इस विषय पर बात की। अगले ही साल पाकिस्तान भारतीय पर्यटकों को बूढ़ी रावी नदी पर एक पुल(या कॉरिडोर) के माध्यम से करतारपुर साहिब की वीजा मुक्त यात्रा की अनुमति देने पर सहमत हो गया।

सितम्बर 2004 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने घोषणा की कि करतारपुर मसले पर पाकिस्तान से बात की जाएगी। और 26/11 के हमले के पहले तक दोनों देशों के मध्य वार्ता के प्रमुख बिन्दुओं में करतारपुर मसला भी शामिल रहा। अगस्त 2018 में पूर्व क्रिकेटर व पंजाब के कांग्रेस विधायक नवजोत सिंह सिद्धू ने इमरान खान के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लिया तब उन्हें बताया गया कि पाकिस्तान करतारपुरा कॉरीडोर गुरु नानकदेव की 550वीं जयंती तक शुरू कर देगा। 26 नवम्बर 2018 को भारत ने भी करतारपुर कॉरिडोर पर काम प्रारंभ कर दिया। अंततः 9 नवम्बर 2019 पर उद्घाटन के साथ आवाजाही शुरू हो सकी।

इंटीग्रेटेड चेकपोस्ट, करतारपुर साहिब कॉरिडोर का खुलना हम सभी के लिए दोहरी खुशी लेकर आया है। कॉरिडोर को कम वक्त में तैयार करने के लिए प्रधानमंत्री इमरान खान नियाजी को धन्यवाद देता हूं। उन्होंने हजारों भारतीयों की भावना को समझा और उसका सम्मान किया। उनका अभिनंदन। मैं पाकिस्तान के श्रमिक साथियों का भी आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने इतनी तेजी से अपनी तरफ के कॉरीडोर को पूरा करने में मदद की।

- नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री, भारत

करतारपुर साहिब कॉरीडोर खोला जाना क्षेत्रीय शांति के लिए पाकिस्तान की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। आज हम न केवल सीमा खोल रहे हैं, बल्कि सिख समुदाय के लिए अपने दिल भी खोल रहे हैं। हम मानते हैं कि यह पहल क्षेत्र की समृद्धि और आने वाली पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य की राह खोलेगा।

- इमरान खान, प्रधानमंत्री, पाकिस्तान

कनाडा में नानक सड़क

कनाडा के ब्रैंपटन के इंडोकनाडाई वर्चस्व वाले इलाके में नया इतिहास रचा गया है। वहां पर डिक्सी रोड का नाम अब श्री गुरु नानक देव के नाम पर होगा। ब्रैंपटन सिटी काउंसिल ने सर्वसम्मति से डिक्सन रोड और ग्रेट लेक्स रोड के बीच की रोड का नाम गुरु नानक स्ट्रीट रखने का प्रस्ताव पास कर दिया है।

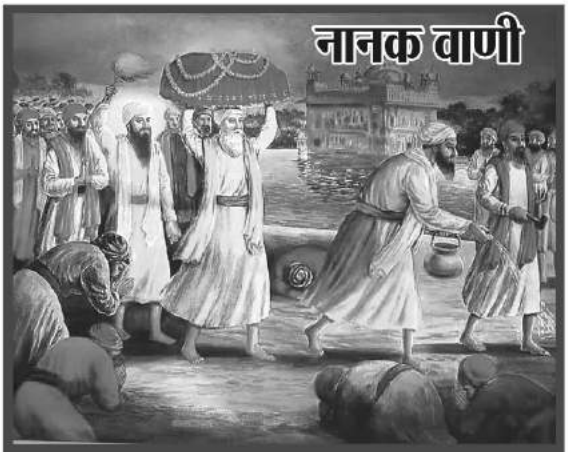

- ईश्वर एक है। सब उसकी संतान हैं। न कोई उत्तम है न नीच-सब बराबर। परिश्रम करो और अपनी कमाई को गरीबों के साथ बांट कर खाओ। जो व्यक्ति गरीबों की सेवा-संभाल करता है, उस पर ईश्वर कृपा करता है। केवल किसी के कह देने से कोई व्यक्ति पापी या पुण्यात्मा नहीं हो जाता। अपने कर्मो से होता है। हर व्यक्ति को उसके कर्मों के अनुसार फल मिलता है।
- मन मैले सभ किछ मैला, तन धोते मन अच्छा न होई, अर्थात् अगर हमारा मन मैला है तो हम कितने भी सुंदर कपड़े पहन लें, अच्छे से तन को साफ कर लें। बाहरी स्नान, सुंदर कपड़ों से हम संसार को तो अच्छे लग सकते हैं मगर परमात्मा को नहीं, क्योंकि परमात्मा हमारे मन की अवस्था को देखता है।
- वल अल्लाह नूर उपाइया कुदरत के सब बंदे, एक नूर से सब जग उपजया को भले को मंदे, अर्थात सब बंदे ईश्वर के पैदा किए हुए हैं, न तो हिन्दू कहलाने वाला रब की निगाह में कबूल है, न मुसलमान कहलाने वाला। रब की निगाह में वही बंदा ऊंचा है जिसका अमल नेक हो, जिसका आचरण सच्चा हो।
- अंतर मैल जे तीर्थ नावे तिसु बैकुंठ ना जाना/लोग पताणे कछु ना होई नाही राम अजाना, अर्थात सिर्फ जल से शरीर धोने से मन साफ नहीं हो सकता, तीर्थयात्रा की महानता चाहे कितनी भी क्यों न बताई जाए, तीर्थयात्रा सफल हुई है या नहीं, इसका निर्णय कहीं जाकर नहीं होगा। इसके लिए हरेक मनुष्य को अपने अंदर झांककर देखना होगा कि तीर्थ के जल से शरीर धोने के बाद भी मन में निन्दा, ईर्ष्या, धन-लालसा, काम, क्रोध आदि कितने कम हुए हैं।
- पितरों को मरने के बाद दिया जाने वाला भोजन उन्हें नहीं मिलता। हमें जीते जी ही मां-बाप की सेवा करनी चाहिए।

R. M. Jain
J. L. Jain

Shakti Hosiery Sales Pvt. Ltd.

Wholesaler :
All Kind of Fancy Hosiery & Readymade Garments

21, Satyanarayan Mandir Marg,
Near Amal Ka Kanta Police Thana,
Udaipur - 313 001 (Raj.)
Mob.: 9460030153, 9460082621
Ph. : 0294-2417277, 2411190
E-mail : shaktihosiery@rediffmail.com

।।श्री गणेशाय नमः ।।

।। जय दाता ।।

Sachin Gurjar
7726866180

Hemant Gurjar
9660261243

श्री राधे कृष्णा

बिल्डिंग मटेरियल

स्पे. रेती सप्लार्स

रेती, गिट्टी, सरिया, सीमेन्ट,
ईंट, पत्थर आदि के हॉलसेल विक्रेता

बलीचा बाईपास, उदयपुर (राज.) Email: hgurjar810@gmail.com

कश्मीर से कन्याकुमारी तक एक विधान

- केन्द्र सरकार के ऐतिहासिक फैसले के बाद जम्मू-कश्मीर का अलग संविधान खारिज
- जम्मू-कश्मीर और लद्दाख बने केन्द्र शासित प्रदेश
- बदलाव की मंशा - जम्मू और कश्मीर के बाशिन्दों के लिए अमन-चैन।

✍ भगवान प्रसाद गौड़

आज़ाद हिन्दुस्तान के 70 साल के इतिहास में 31 अक्टूबर 2019 का दिन ऐतिहासिक था, जब देश की जन्नत कहे जाने वाले जम्मू-कश्मीर और लद्दाख केन्द्र शासित प्रदेश बन गए और यहां केन्द्र के कानून लागू हो गए। जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन बिल लागू होने वाले इस दिन देशी रियासतों का एकीकरण कर एक मज़बूत और विशाल भारत की आधारशिला रखने वाले सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती थी तो देश की एकता की खातिर अपनी जान कुर्बान करने वाली पूर्व प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी की पुण्यतिथि थी। इस बिल के अस्तित्व में आने के साथ ही दोनों प्रदेशों में कई बदलाव हो गए। ऐसा पहली बार हुआ, जब राज्य को विभाजित कर दो केन्द्र शासित प्रदेशों का गठन किया गया है। देश में केन्द्र शासित प्रदेशों की संख्या बढ़कर अब 9 हो गई है।

देश के मस्तक यानी जम्मू-कश्मीर राज्य में सब कुछ ठीक हो जाए, इसकी जो पहल केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने दूसरी पारी में 6 अगस्त 2019 को संसद में जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन विधेयक पारित करा कर की थी, उसके नतीजों की साफ-साफ तस्वीर अब दिखाई दे रही है। जम्मू और कश्मीर का राज्य के रूप में अस्तित्व खत्म हो गया है। इसकी जगह दो केन्द्र शासित प्रदेश-जम्मू और कश्मीर तथा लद्दाख बन गए हैं। जम्मू और कश्मीर में राज्यपाल की जगह अब लेफिटनेंट गवर्नर होगा। राजधानी श्रीनगर ही रहेगी। लद्दाख की राजधानी लेह होगी और वहां भी उपराज्यपाल होगा। देश के इतिहास में पहली बार हुआ है कि किसी राज्य को दो केन्द्र शासित प्रदेशों(संघ राज्य क्षेत्रों) में तब्दील कर दिया गया।

जहां तक इन प्रदेशों के विकास का सवाल है, तो अनुच्छेद 370 के खत्म होने के बाद कॉर्पोरेट क्षेत्र और बड़े उद्यमियों द्वारा कश्मीर में निवेश के लिए रास्ता तैयार करने की जरूरत है। अगर निजी क्षेत्र और केन्द्र द्वारा मूलभूत ढांचे में निवेश बढ़ता है, तो कश्मीर का कायाकल्प हो जाएगा। निजी क्षेत्र और सरकार के सामूहिक प्रयास और पर्यटन में उछाल से यह सुनिश्चित होगा कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में समृद्धि आए। ऐसा हुआ, तो न केवल यहां आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी, बल्कि रोजगार सृजन को भी काफी बढ़ावा मिलेगा।

विकास के साथ घाटी में उग्रवाद की समस्या पर भी ज्यादा गौर करने की जरूरत है। पिछले कुछ वर्षों में अलग-अलग वार्ताओं में तीनों सेना प्रमुखों ने

यह कहा है कि उन्होंने 'अपना' काम कर दिया है और अब सरकार को इस मुद्दे से राजनीतिक रूप से निपटना है। अब नए परिदृश्य में भारत सरकार को कदम उठाने और यह पता लगाने की आवश्यकता है कि इस स्थिति से कैसे निपटा जाए? इसका हमें ध्यान रखना चाहिए कि उग्रवाद का स्थानीयकरण अब भी जारी है। हां, इतना जरूर है कि आतंकवाद अब दक्षिण कश्मीर तक ही सीमित दिखता है और 1990 के मुकाबले इसकी तीव्रता में भी कमी आई है। पाकिस्तान के मुकाबले के लिए केन्द्र सरकार का जो नजरिया है, उसकी एक अलग कहानी है, लेकिन अभी इस क्षेत्र के पुनर्गठन के बाद हमें अपना फोकस इस बात पर रखना चाहिए कि स्थानीय आतंकवाद से कैसे निपटा जाए।

विधानसभा में होंगी 107 सीटें

जम्मू-कश्मीर के केन्द्र शासित प्रदेश बनने के बाद भी यहां विधानसभा का अस्तित्व बना तो रहेगा, लेकिन इसमें कई बदलाव आ जाएंगे। यहां की मौजूदा विधानसभा में सदस्यों की संख्या 87 है, जिसमें लद्दाख क्षेत्र की 4 विधानसभा सीटें शामिल हैं। जम्मू-कश्मीर की नई विधानसभा की संख्या अब 107 हो जाएगी। 107 सीटों में पहले की तरह पाक अधिकृत कश्मीर की 24 सीटें खाली रहेंगी। साथ ही राज्य में परिसीमन की प्रक्रिया भी जल्दी ही पूरी की जानी है। यह प्रक्रिया पूरी होने के बाद सदस्यों की संख्या 114 हो जाएगी। नए कानून के तहत जम्मू-कश्मीर में तो पुडुचेरी और दिल्ली की तरह विधानसभा होगी, लेकिन लद्दाख चंडीगढ़ जैसा बिना विधानसभा का केन्द्र शासित प्रदेश होगा।

केन्द्रीय कानून होंगे प्रभावी

अनुच्छेद 370 की वजह से सूचना का अधिकार और शिक्षा का अधिकार जैसे कई कानून यहां लागू नहीं थे। इसी तरह यह नियंत्रक और महालेखा परीक्षक(कैग) के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता था। कश्मीर में महिलाओं के लिए शरिया कानून लागू था। जो अधिकार देश की दूसरी पंचायतों को थे, वे यहां की पंचायतों को हासिल नहीं थे। कश्मीर में अल्पसंख्यक हिन्दू और सिखों को मिलने वाला आरक्षण लागू नहीं था। लेकिन अब नई व्यवस्था के तहत ये सब प्रभावी होगा।

ऐसे होगी प्रशासनिक और राजनीतिक व्यवस्था

- जम्मू-कश्मीर में विधानसभा का कार्यकाल 6 साल की जगह देश के बाकी हिस्सों की तरह 5 साल का ही होगा।
- विधानसभा में अनुसूचित जाति के साथ अनुसूचित जनजाति के लिए भी सीटें आरक्षित होंगी।
- पहले कैबिनेट में 24 मंत्री बनाए जा सकते थे, अब दूसरे राज्यों की तरह कुल सदस्य संख्या के 10 प्रतिशत से ज्यादा मंत्री नहीं होंगे।
- जम्मू कश्मीर विधानसभा में पहले विधानपरिषद् भी होती थी, वो अब नहीं होगी।
- जम्मू-कश्मीर से पांच और लद्दाख से एक लोकसभा सांसद ही चुन कर आएंगे।
- जम्मू-कश्मीर से पहले की तरह ही राज्यसभा के 4 सांसद होंगे।
- 106 केन्द्रीय कानून जम्मू और कश्मीर में भी लागू होंगे। 166 राज्य अधिनियमों के साथ जिनमें राज्यपाल का अधिनियम भी शामिल है।
- पुनर्गठन अधिनियम के अनुसार 153 राज्य कानून बदलाव के साथ ही समाप्त हो गए हैं। दोहरी नागरिकता भी समाप्त।
- लद्दाख की अलग विधानसभा नहीं होगी और क्षेत्र का शासन लेफ्टिनेंट गवर्नर के जरिए सीधे केन्द्रीय गृह मंत्रालय के हाथों में होगा।
- दोनों केन्द्र शासित प्रदेशों के लिए जम्मू-कश्मीर हाईकोर्ट ही काम करेगा जबकि कानून व्यवस्था पर नियंत्रण एलजी के जरिए केन्द्र का रहेगा।
- दोनों राज्यों का दर्जा बदलने के साथ जम्मू, श्रीनगर ओर लेह के रेडियो स्टेशनों के नाम भी बदल गए हैं। इन स्टेशनों से रेडियो कश्मीर की जगह ऑल इंडिया रेडियो और आकाशवाणी के नाम से प्रसारण शुरू हो गया है।
- सरकारी भवनों और वाहनों पर अब तक तिरंगा और जम्मू-कश्मीर का झंडा होता था। अब केवल राष्ट्रीय ध्वज का ही उपयोग होगा।

- जम्मू-कश्मीर पुडुचेरी और लद्दाख चंडीगढ़ मॉडल पर काम करेगा।
- यहां की अधिकारिक भाषा उर्दू की बजाय हिन्दी हो गई।

आगे क्या

परिसीमन शुरू होगा

चुनाव आयोग राज्य में परिसीमन की प्रक्रिया जल्द शुरू कर सकता है। इसमें आबादी के साथ भौगोलिक, सामाजिक, आर्थिक बिन्दुओं पर ध्यान रखा जा सकता है।

विधानसभा सीटें बढ़ेंगी

प्रस्तावित परिसीमन के मुताबिक जम्मू-कश्मीर की विधानसभा में सात सीटें बढ़ सकती हैं। ऐसा हुआ तो कुल 90 सीटें हो जाएंगी। माना जा रहा है कि जम्मू की सीटें बढ़ेंगी

बिजली-पानी का बंटवारा

अब अगले दो माह में एडवाइजरी कमेटी बनाई जाएगी। जिसका काम जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के बीच बिजली व पानी जैसी जरूरतों का बराबर बंटवारा करना होगा

वन्यप्राणी की तलाश

दोनों प्रदेशों में राज्य पक्षी और प्रदेश वन्यप्राणी की तलाश शुरू की जाएगी। इसमें ब्लैक नेक्ड क्रेन लद्दाख और हंगुल कश्मीर में पाया जाता है।

गिरीश चंद्र मुर्मु

उपराज्यपाल, जेएंड के

केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर के पहले लेफ्टिनेंट गवर्नर। भारतीय प्रशासनिक सेवा के गुजरात काडर के 1985 बैच के अधिकारी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तब मुर्मु उनके प्रधान सचिव रह चुके हैं। गुजरात में वह और भी कई प्रमुख प्रशासनिक पदों पर रहे। मुर्मु लेफ्टिनेंट गवर्नर नियुक्त किए जाने से पहले वित्त मंत्रालय में व्यय विभाग के सचिव थे।

राधाकृष्ण माथुर

उपराज्यपाल, लद्दाख

केन्द्र शासित प्रदेश लद्दाख के पहले लेफ्टिनेंट गवर्नर। भारतीय प्रशासनिक सेवा के त्रिपुरा काडर के 1977 बैच के सेवानिवृत्त अधिकारी। नवम्बर 2018 में मुख्य सूचना आयुक्त के पद से सेवानिवृत्त हुए। वह रक्षा सचिव, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग सचिव और त्रिपुरा के मुख्य सचिव रह चुके हैं। वह कपड़ा मंत्रालय में विकास आयुक्त और मुख्य प्रवर्तन अधिकारी और वित्त और कृषि मंत्रालय में प्रधान सचिव भी रहे।

जम्मू-कश्मीर

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के केन्द्र शासित प्रदेश बनने के बाद अब देश में कुल नौ केन्द्र शासित प्रदेश हो गए हैं, जम्मू-कश्मीर से लद्दाख के अलग होने पर कई बदलाव देखने को मिलेंगे। जम्मू-कश्मीर का क्षेत्रफल, आबादी और वहां के नियम कानून सब बदल गए। यहां का दर्जा दिल्ली और पुडुचेरी की तरह होगा। 2011 की जनगणना के मुताबिक जम्मू-कश्मीर(लद्दाख को मिलाकर) की जनसंख्या 12,541,302(1 करोड़ 25 लाख 41 हजार 302) है। लेकिन लद्दाख के अलग होने के बाद अब जम्मू-कश्मीर की जनसंख्या 12,267,013(1 करोड़ 22 लाख 67 हजार 13) हो जाएगी। साथ ही इसके क्षेत्रफल में भी बदलाव होगा। जम्मू-कश्मीर का क्षेत्रफल(लद्दाख को मिलाकर) 222,236 वर्ग किलोमीटर है, लेकिन लद्दाख को हटाकर अब जम्मू-कश्मीर का क्षेत्रफल 163.040 वर्ग किलोमीटर हो जाएगा। कश्मीर की ज्यादातर आबादी मुस्लिम है। जम्मू की आबादी 65 फीसद हिन्दू और 30 फीसद मुस्लिम है। अब जम्मू कश्मीर में देश के अन्य राज्यों के लोग भी जमीन लेकर बस सकेंगे।

लद्दाख

लद्दाख को बिना विधानसभा केन्द्र शासित प्रदेश का दर्जा दिया गया है। लद्दाख उत्तर में काराकोरम पर्वत और दक्षिण में हिमालय पर्वत के बीच में है। लद्दाख के उत्तर में चीन तथा पूर्व में तिब्बत की सीमाएं हैं। सीमावर्ती स्थिति के कारण सामरिक दृष्टि से यह बेहद महत्वपूर्ण इलाका है। लद्दाख की राजधानी एवं प्रमुख नगर लेह है, जिसके उत्तर में काराकोरम पर्वत तथा दर्रा है। करगिल की कुल जनसंख्या 140,802 है, जिसमें 76.87 फीसद आबादी मुसलिम(ज्यादातर शिया) है। जबकि लेह की कुल जनसंख्या 133,487 है जिसमें 66.40 फीसद बौद्ध हैं। लद्दाख में कई स्थानों पर मिले शिलालेखों से पता चलता है कि यह स्थान नव-पाषाणकाल से स्थापित है। सिंधु नदी लद्दाख की जीवन रेखा है। लेह, शे, बासगो, तिंगमोसगंग सिंधु किनारे ही बसे हैं। लेह के आसपास के निवासी मुख्यत: तिब्बती पूर्वजों और लद्दीखी भाषा वाले बौद्ध हैं, लेकिन पश्चिम में कारगिल के आसपास जनसंख्या मुख्यत: मुस्लिम शिया शाखा की है। 1979 में लद्दाख को करगिल व लेह जिलों में बांटा गया।

सर्दी में ड्राई न होने दें अपने बाल

सर्दियों के मौसम में बाल काफी रूखे व बेजान से नजर आते हैं। इस समय बालों में डेंड्रफ और पपड़ी जमने की समस्या भी होती है, जिस से बाल टूटने लगते हैं। इन परेशानियों में जानिए बचने के उपाय।

✍ इशिका तनेजा

❖ कड़कड़ाती सर्दियों में गर्म पानी जहां एक तरफ आनंद की अनुभूति देता है, वहीं शरीर और बालों से नेचुरल ऑयल को छीन कर उसे ड्राई बना देता है। ऐसे में बहुत ज्यादा गर्म पानी की बजाय गुनगुने पानी से ही बालों को धोना चाहिए, जिससे उनकी नमी बनी रहे।

❖ बालों की पोषणता और खूबसूरती के लिए सप्ताह में दो-तीन बार टी-ट्री ऑयल से मसाज जरूर करें। टी-ट्री ऑयल को उंगलियों के पोरों की सहायता से बालों की जड़ों में लगाएं। इसके एंटी-फंगल और एंटी-बैक्टीरियल गुण आपकी स्कल्प को ड्रायनेस के कारण जमी पपड़ी व खुजली से बचाएंगे, साथ ही सिर की त्वचा को नरिश और मॉइश्चराइज भी करेंगे।

❖ घरेलू हेयर पैक के जरिए भी बालों को शुष्क हवाओं की मार से बचाया जा सकता है। एक अवोकेडो (नाशपती की तरह का एक फल) के गूदे में 2 चम्मच मेयोनीज और अंडे का पीला भाग मिलाएं। इस पेस्ट को अपने बालों में मास्क की तरह लगाएं। इस मास्क में इस्तेमाल अवोकेडो से बालों को विटामिन ए व ई मिलेगा, जिससे दो-मुंहे बालों की समस्या कम होगी, साथ ही उनकी ग्रोथ भी बढ़ेगी। अंडा बालों के लिए प्राकृतिक कंडीशनर का काम करेगा और उन्हें नरिशमेंट देगा। इस पैक को लगाने के लगभग आधे घंटे बाद बालों को 5 मिनट के लिए स्टीम दें। स्टीम देने से बालों के पोर्स खुल जाएंगे और पैक का पोषण अंदर तक पहुंचेगा।

❖ बाल को फूले-फूले व खिले हुए दिखाने के लिए उन्हें शैंपू और कंडीशनर के साथ अतिरिक्त कंडीशनर करना भी जरूरी है। आधा मग पानी में एक चौथाई चम्मच सिरका और बीयर मिक्स करके बालों में लास्ट रिंस करें। ऐसा करने से न केवल बालों को मॉइश्चर मिलेगा, बल्कि उनकी चमक भी दोगुनी हो जाएगी।

❖ बाल हार्ड प्रोटीन यानी कैराटीन से बनते हैं। इसकी पूर्ति के लिए अपने आहार में दूध, दही, अंकुरित अनाज, हरी-सब्जियां व हो सके तो अंडा व मछली को शामिल करें। इसके अलावा डाइट में विटामिन ए, सी व ई की मात्रा भी बढ़ाएं। विटामिन ए बालों को पोषण देगा, सी उन्हें चमक प्रदान करेगा और ई से बालों की ग्रोथ बढ़ेगी। विटामिन ए हर उस फल व सब्जी में मौजूद होता है, जो नारंगी व पीली रंग की होती है। विटामिन सी का सबसे बड़ा स्रोत आंवला, बालों के लिए रामबाण हैं और विटामिन-ई के गुण आपको बादाम व अवोकेडो से प्राप्त होंगे।

बिवाइयों से ऐड़ियों को बचाएं

सर्दियों में शरीर में चिकनाई और विटामिन्स की कमी होने से पैरों की ऐड़ियों में पतली-पतली दरारें पड़ जाती हैं, जिस कारण ऐड़ियां फटी हुई दिखाई देती हैं। कई बार तो फटी ऐड़ियों में इतना दर्द होता है कि चलने-फिरने में भी मुश्किल होती है। ऐड़ियों का फटापन कैसे दूर करें, आइए जानते हैं -

- रात में फटी ऐड़ियों को गुनगुने पानी से धोकर, पौंछकर वैसलीन या सरसों के तेल की मसाज कर, जुराब पहल कर सो जाएं। रात भर में फटी ऐड़ियां फिर से जुड़ जाएंगी।
- देशी घी और नमक मिलाकर बिवाइयों पर मलें। फटी बिवाइयां जुड़ने लगेंगी। इससे ऐड़ियों की त्वचा कोमल रहती हैं।
- हाथ-पैरों को फटने से बचाने के लिए रात को सोते समय ग्लिसरीन में नींबू के रस की कुछ बूंदें मिलाकर हाथ-पैरों की मालिश करें और सुबह गुनगुने पानी से उन्हें रगड़ कर धोलें। कुछ दिनों में त्वचा सामान्य हो जाएगी।
- सर्दियों में अधिक खट्टी चीजों का सेवन करने से भी ऐड़ियां फटने लगती हैं, इसलिए खट्टी चीजों का सेवन कम करें।
- फटी ऐड़ियों का सौन्दर्य निखारने के लिए 1 गुलाब का ताजा फूल, 25-30 तुलसी की पत्तियां और 3 लौंग को मिलाकर पीस लें। तैयार पेस्ट को ऐड़ियों पर मलने के बाद रूई युक्त कपड़े की पट्टी बांध लें। फटी ऐड़ियां फिर से निखरने लगेंगी।

✍ रेणु शर्मा

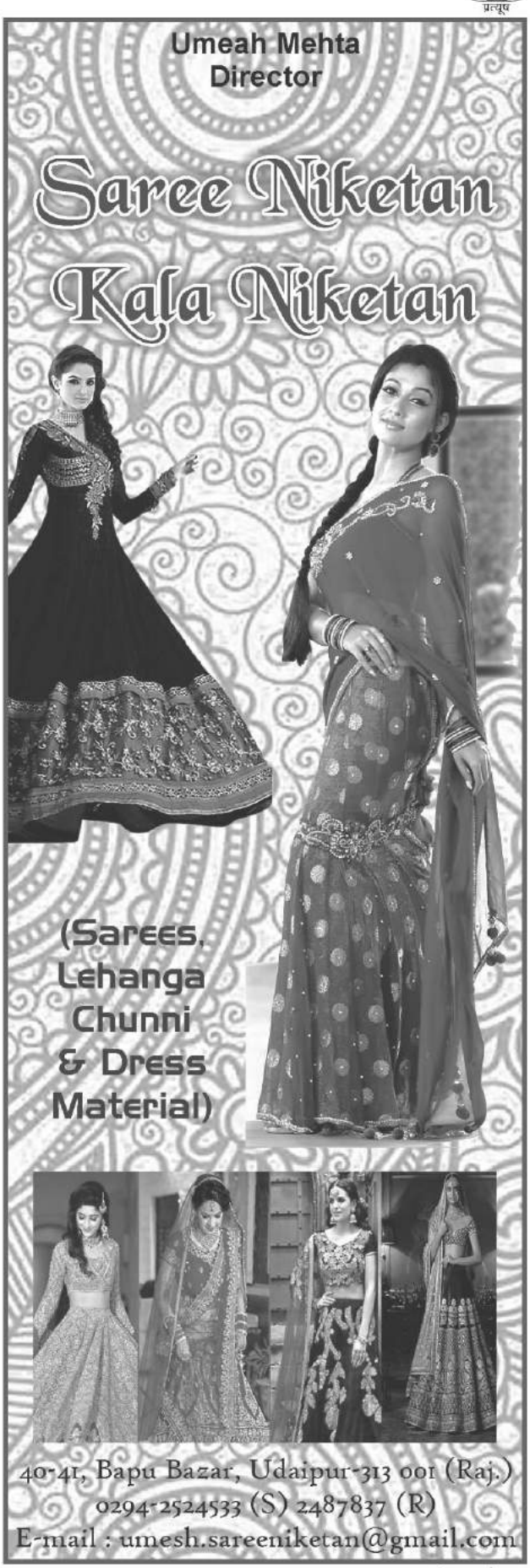

कुचला गया आतंक का एक और फन

✍ फिरोज़ अहमद शेख़

इस्लामिक स्टेट के सरगना अबू बकर अल-बगदादी का मारा जाना पूरी दुनिया के लिए राहत की एक बड़ी ख़बर है। बगदादी पिछले कई महीनों से एक हारती हुई ताकत की तरह था और खुद मारा-मारा फिर रहा था। अमेरिकी फौजें उसके पीछे पड़ी हुई थी।

इराक और सीरिया के वे सारे इलाके उससे मुक्त कराए जा चुके थे, जिन पर कभी उसका नृशंस राज चलता था। 27 अक्तूबर को अमेरिकी फौज ने बगदादी को सीरिया के इदलीब प्रांत के सुदूर गांव बारिशा में एक गुप्त ठिकाने पर मार गिराया, जहां वह पिछले काफी समय से वह छिपा हुआ था। इस्लामिक स्टेट के इस सरगना का मारा जाना पूरी दुनिया के लिए राहत की एक बड़ी खबर है। यहां तक कि पश्चिम एशिया के उन देशों के लिए भी, जिनका राजकाज अभी भी इस्लामिक रीति-नीति से चलता है।

बगदादी के मारे जाने की पहले भी कई बार खबरें मिलीं, लेकिन निराधार सिद्ध हुईं। इस बार खुद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने की खात्मे की खबर दी। बगदादी के अंत के बाद खबरें आई कि उसके नजदीकी अब्दुल्ला करदाश को बगदादी का उत्तराधिकारी घोषित किया गया है। फिर खबरें मिली कि वह भी मार गिराया गया। हालांकि अभी इसकी पुष्टि नहीं हुई। यदि वह मारा भी गया है तो भी यह मानना उचित नहीं रहेगा कि इनके खात्मे के साथ ही आतंकी संगठन आईएस का समूचा तंत्र ही खत्म हो गया है।

कुछ साल पहले जब अमेरिका ने पाकिस्तान में अल-कायदा के सर्वेसर्वा ओसामा बिन लादेन को मार गिराया था, तब भी यही उम्मीद बांधी गई थी। मगर ऐसा हुआ नहीं। महत्वपूर्ण यह भी है कि अल-कायदा और इस्लामिक स्टेट लगभग एक जैसे हालात की उपज थे। पहले सोवियत संघ और फिर अमेरिका के अफगानिस्तान को बीच मझधार में छोड़ने से जो शून्य पैदा हुआ, उसी में अल-कायदा विकसित हुआ था। इस्लामिक स्टेट भी इसी तरह अस्तित्व में आया। जो ताकतें बाद में सबसे बर्बर आतंकी संगठन बनीं, महाशक्तियां कभी उन्हीं की हमजोली थीं। बगदादी का अंत महाशक्तियों के लिए अपने गिरेबान में झांकने का वक्त भी है।

दुनिया की पहली चुनौती अब यही होनी चाहिए कि फिर कोई लादेन या बगदादी न पैदा हो। यह सच है कि पिछले कुछ समय में पूरी दुनिया में वे ताकतें कमजोर हुई हैं, जो सौहार्द, भाईचारे और प्रेम की बात करती हैं। नफरत का बोलबाला बढ़ेगा, तो अल-बगदादी जैसे लोग ही सामने आएंगे। जैसा हम कह चुके हैं कि बगदादी के घोषित उत्तराधिकारी के मारे जाने की पुष्टि नहीं हुई है। अगर वह जिंदा है तो क्या बगदादी जैसे आतंकी कारनामे नहीं करेगा? बगदादी के जमाने में अब्दुल्ला कारदश ही आतंकी साजिशों की भूमिका तैयार करता था। यह नहीं भूलना चाहिए कि सीरिया और आसपास के देशों तक फैल चुकी लड़ाई में आईएस के खिलाफ अमेरिका, रूस, तुर्की

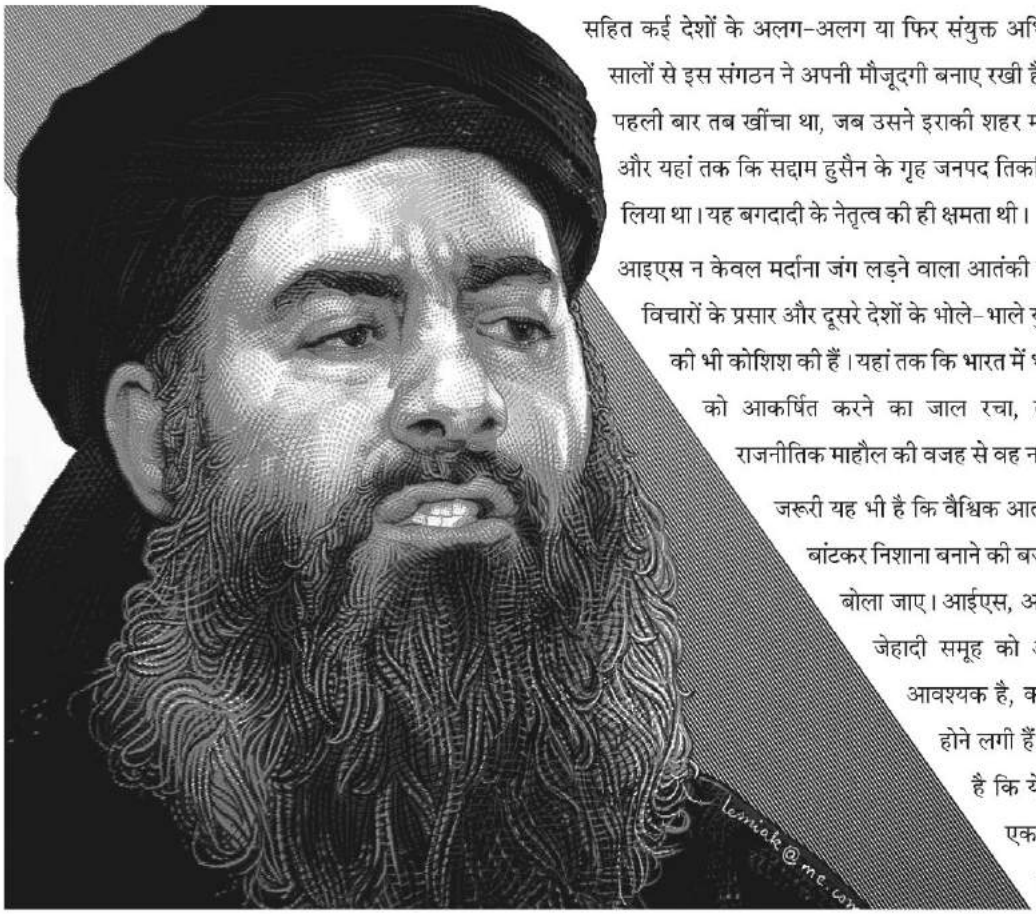

सहित कई देशों के अलग-अलग या फिर संयुक्त अभियान के बावजूद पिछले कई सालों से इस संगठन ने अपनी मौजूदगी बनाए रखी है। आईएस ने दुनिया का ध्यान पहली बार तब खींचा था, जब उसने इराकी शहर मोसुल पर कब्जा कर लिया था और यहां तक कि सद्दाम हुसैन के गृह जनपद तिकरित को भी अपने कब्जे में कर लिया था। यह बगदादी के नेतृत्व की ही क्षमता थी।

आइएस न केवल मर्दाना जंग लड़ने वाला आतंकी संगठन है, बल्कि उसने अपने विचारों के प्रसार और दूसरे देशों के भोले-भाले युवाओं को अपनी चपेट में लेने की भी कोशिश की हैं। यहां तक कि भारत में भी आइएस के एजेंटों ने युवाओं को आकर्षित करने का जाल रचा, लेकिन यहां के सामाजिक-राजनीतिक माहौल की वजह से वह नाकाम रहा।

जरूरी यह भी है कि वैश्विक आतंकी संगठनों को अलग-अलग बांटकर निशाना बनाने की बजाय एक मानकर उन पर हमला बोला जाए। आईएस, अल-कायदा या किसी भी अन्य जेहादी समूह को अब एक मानना इसलिए भी आवश्यक है, क्योंकि ये तमाम तंजीमें एकजुट होने लगी हैं। आने वाले दिनों में हो सकता है कि ये सभी इकट्ठा हो जाएं। इनमें एकता बढ़ने की यह आशंका मानव समाज के हित में नहीं है।

Aashirwad Minerals & Marbles

Mfg. of Soap Stone Powder (Talc Powder), Calcium Carbonate Powder
China Clay Powder, Silica Powder & Dolomite Powder

Office :
E-93, Pratap Nagar,
Udaipur - 313001 (Raj.) INDIA

Factory :
Jyoti Mineral Industries
Plot No. G-1-80, IID Centre
RIICO Ind. Area, Kaladwas, Udaipur (Raj.)

Telefax : 0294-2490194 | E-mail : ashirwadtalc@yahoo.com | www.ashirwadminerals.com

कांग्रेस की दमदार वापसी

❖ 49 में से कांग्रेस ने भाजपा से छीने 26 निकाय और 236 वार्ड, बीस में स्पष्ट बहुमत

❖ उदयपुर में छठी बार बना भाजपा का बोर्ड, टांक महापौर

संभाग में मज़बूत हुआ हाथ

निकाय	भाजपा	कांग्रेस	अन्य	कुल
उदयपुर	44	20	6	70
कानोड़	7	7	6	20
चित्तौड़गढ़	24	36	0	60
रावतभाटा	11	26	3	40
निम्बाहेड़ा	16	28	1	45
नाथद्वारा	10	29	1	40
आमेट	8	17	0	25
बांसवाड़ा	21	36	3	60
परतापुर	25	11	10	46

✍ नंदकिशोर शर्मा

राजस्थान में 49 स्थानीय निकायों के चुनावों के नतीजों ने साबित कर दिया कि कांग्रेस मज़बूत हो रही है और भाजपा कमजोर। प्रदेश में 49 शहरी निकायों में से 20 में कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत मिला है। जबकि परम्परागत रूप से शहरी क्षेत्रों में पकड़ रखने वाली भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) सिर्फ 6 निकायों में ही स्पष्ट बहुमत हासिल कर पाई। हालांकि, 3 नगर निगमों में भाजपा ने कांग्रेस पर बढ़त बनाई है। उदयपुर नगर निगम में भाजपा को स्पष्ट बहुमत मिला है। यहां जी एस टांक महापौर बने हैं। बीकानेर और भरतपुर में भाजपा के कांग्रेस से अधिक पार्षद जीते हैं। प्रदेश में 20 निकायों में किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है।

28 नगर पालिका क्षेत्रों में से कांग्रेस ने 11, भाजपा ने 4 और निर्दलियों ने 3 पालिकाओं में बहुमत हासिल किया। 18 नगर परिषद क्षेत्रों में 9 में कांग्रेस और एक में भाजपा बहुमत प्राप्त कर चुकी है। 6 निकाय क्षेत्रों नसीराबाद, थानागाजी, रूपवास, महुवा, परतापुर गढ़ी व खाटूश्यामजी में पहली बार चुनाव हुए हैं। नसीराबाद में भाजपा आगे रही है। रूपवास में भाजपा और कांग्रेस बराबरी पर रही। थानागाजी में कांग्रेस और महुवा में निर्दलीय बहुमत में है। खाटूश्यामजी में भाजपा को बहुमत मिला है। परतापुर गढ़ी में अस्पष्ट नतीजे आए हैं।

भाजपा : निकाय चुनाव में मतदाताओं ने एकबार फिर सत्ताधारी दल पर ही भरोसा जताया है। 2014 के चुनाव में भाजपा को बंपर जीत मिली थी। उस समय प्रदेश में भाजपा की सरकार थी। भाजपा ने 2014 में 46 निकायों में से 40 पर बढ़त बनाई थी। तब कांग्रेस मात्र 6 सीटों पर बढ़त पर रही थी। 2009 में कांग्रेस सरकार के समय कांग्रेस 29 निकायों पर काबिज हुई थी। उस समय भाजपा को 10 निकायों में जीत मिली थी।

कांग्रेस ने छीने निकाय और वार्ड

चुनावों में कांग्रेस ने भाजपा से 26 निकाय और 236 वार्ड छीन लिए हैं। आंकड़ों के अनुसार पांच साल पहले 2014 में इन निकायों में हुए चुनावों में कांग्रेस ने एक हजार 696 वार्डों में से केवल 446 वार्ड जीते थे, जबकि अभी कांग्रेस ने दो हजार 105 वार्डों में से 961 वार्डों में जीत दर्ज कराई हैं। इसके विपरीत भाजपा ने केवल 737 वार्डों में जीत दर्ज कराई है। नतीजों के अनुसार 2014 के मुकाबले इस बार कांग्रेस ने भाजपा से 236 वार्ड छीने हैं। कांग्रेस ने भाजपा से अलवर जिले के भिवाड़ी नगर परिषद, बांसवाड़ा नगर परिषद, बारां जिले की छबड़ा नगर पालिका, बारां जिले की मांगरोल नगर पालिका, बाड़मेर नगर परिषद, भरतपुर नगर निगम, चित्तौड़गढ़ नगर परिषद, चित्तौड़गढ़ जिले की निम्बाहेड़ा नगर पालिका, चित्तौड़गढ़ की रावतभाटा नगर पालिका, चूरू नगर परिषद, चूरू जिले की राजगढ़ नगर पालिका, गंगानगर जिले की सूरतगढ़ नगर पालिका, हनुमानगढ़ नगर परिषद, जैसलमेर नगर परिषद, झुंझुनू जिले की बिसाऊ नगर पालिका, झुंझुनूं जिले की पिलानी नगर पालिका, जोधपुर जिले की फलौदी नगर पालिका, कोटा जिले की सांगोद नगर पालिका, नागौर जिले की डीडवाना नगर पालिका, राजसमन्द जिले की आमेट नगर पालिका, राजसमंद जिले की नाथद्वारा नगर पालिका, सिरोही जिले की माउंट आबू नगर पालिका, सिरोही जिले की शिवगंज नगर पालिका, सिरोही नगर परिषद, टोंक नगर परिषद और उदयपुर जिले की कानोड़ नगर पालिका छीन ली है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने निकाय चुनावों में कांग्रेस के प्रदर्शन पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि जो लोग कांग्रेस मुक्त भारत की बात करते हैं, वे खुद मुक्त हो होते जा रहे हैं।

नतीजे सुखद

नतीजे सुखद हैं। निकाय चुनाव में भी जनता ने कांग्रेस सरकार की कल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों को समर्थन दिया है। जनता समझदार है, वह नाप-तोल कर वोट देती है।

- अशोक गहलोत, मुख्यमंत्री

भाजपा का भ्रम टूटा

हमें अधिकांश निकायों में बहुमत मिला है। शेष निकायों में हम सहयोगियों के साथ बोर्ड बनाएंगे। शहरी क्षेत्र में भाजपा की जड़ें मजबूत होने का भ्रम टूट गया है। संगठन और सरकार का कामकाज पसंद करते हुए जनता ने कड़ी से कड़ी जोड़ी है।

- सचिन पायलट, उपमुख्यमंत्री

जनादेश स्वीकार्य

सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग करके भी कांग्रेस सफल नहीं हुई। हम जनादेश स्वीकार करते हैं। राज्य में परिपाटी है कि सत्ताधारी पार्टी को निकाय चुनावों में फायदा मिलता है।

- सतीश पूनिया, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष

3 नगर निगमों में भाजपा आगे

उदयपुर(70) : भाजपा 44, कांग्रेस 20, निर्दलीय 05, सीपीआइ (एम) 01

भरतपुर(65) : भाजपा 22, कांग्रेस 18, बसपा 03, निर्दलीय 22

बीकानेर(80) : भाजपा 38, कांग्रेस 30, निर्दलीय 11, बसपा 01

नगर परिषद (18)

❖ अलवर	अस्पष्ट	❖ जैसलमेर	अस्पष्ट
❖ भिवाड़ी	अस्पष्ट	❖ चूरू	कांग्रेस
❖ झुंझुनू	कांग्रेस	❖ गंगानगर	अस्पष्ट
❖ सीकर	कांग्रेस	❖ हनुमानगढ़	कांग्रेस
❖ बाड़मेर	कांग्रेस	❖ ब्यावर	अस्पष्ट
❖ बालोतरा	भाजपा	❖ मकराना	कांग्रेस
❖ सिरोही	कांग्रेस	❖ टोंक	अस्पष्ट
❖ पाली	अस्पष्ट	❖ चित्तौड़गढ़	कांग्रेस
❖ जालोर	अस्पष्ट	❖ बांसवाड़ा	कांग्रेस

नगर पालिका(28)

❖ थानागाजी	अस्पष्ट	❖ पुष्कर	भाजपा
❖ पिलानी	निर्दलीय	❖ नसीराबाद	अस्पष्ट
❖ बिसाऊ	कांग्रेस	❖ डीडवाना	कांग्रेस
❖ नीमकाथाना	कांग्रेस	❖ रूपवास	निर्दलीय
❖ खाटूश्यामजी	भाजपा	❖ सांगोद	कांग्रेस
❖ महुआ	निर्दलीय	❖ कैथून	कांग्रेस
❖ फलौदी	कांग्रेस	❖ मांगरोल	अस्पष्ट
❖ माउंट आबू	कांग्रेस	❖ छबड़ा	अस्पष्ट
❖ शिवगंज	अस्पष्ट	❖ कानोड़	अस्पष्ट
❖ पिंडवाड़ा	भाजपा	❖ निम्बाहेड़ा	कांग्रेस
❖ सुमेरपुर	भाजपा	❖ रावतभाटा	कांग्रेस
❖ भीनमाल	अस्पष्ट	❖ प्रतापपुर गढ़ी	अस्पष्ट
❖ राजगढ़	अस्पष्ट	❖ नाथद्वारा	कांग्रेस
❖ सूरतगढ़	अस्पष्ट	❖ आमेट	कांग्रेस

उदयपुर में भाजपा की बची लाज

उदयपुर नगर निगम में भाजपा ने पूर्ण बहुमत हासिल किया, वहीं जिले की कानोड़ नगर पालिका में किसी भी दल को पूर्ण बहुमत नहीं मिला। भाजपा और कांग्रेस की झोली में 7-7 व जनता सेना की झोली में 6 सीटें आई हैं। बांसवाड़ा नगर परिषद के 60 में से 36 सीटों पर कांग्रेस ने बाजी मारी, राजसमंद जिले के आमेट व नाथद्वारा में कांग्रेस ने जीत का परचम फहराया है। चित्तौड़गढ़ में भी कांग्रेस ने बाजी मारी। रावतभाटा व निम्बाहेड़ा में भी 28-28 सीटें कांग्रेस की झोली में गई हैं।

मुहब्बत का पैगाम क्रिसमस

✍ आर. सी. शर्मा

अब क्रिसमस महज ईसाईयों का त्योहार नहीं रहा, यह धीरे-धीरे पूरी दुनिया का त्योहार बन गया है। दुनिया के हर कोने से क्रिसमस के बड़े पैमाने पर सभी धर्मों के लोगों द्वारा मनाये जाने की निरन्तर खबरें आती हैं। हर साल इस साझी संस्कृति में विस्तार हो रहा है। यही वजह है कि अब क्रिसमस का हिन्दुस्तान जैसे देश में भी लोगों को इंतजा रहता है। लोग खरीदारियां भी करते हैं और हर्ष-उल्लास के साथ क्रिसमस को सेलिब्रेट भी करते हैं जैसे कि दशहरा-दिवाली को सेलिब्रेट किया जाता है।

क्रिसमस एक बहुत प्यारा त्योहार है, क्योंकि इसके मूल में ही मुहब्बत है। क्रिसमस ईसा मसीह के जन्मदिन की याद में मनाया जाने वाला त्योहार है। ईसा मसीह इस क्रूर दुनिया में मुहब्बत का उजाला फैलाते-फैलाते कुर्बान हो गये थे।

क्रिसमस के मौके पर घर में एक ऐसे स्थान पर, छत से मिसलटों की टहनियां लटकाई जाती हैं, जहां से घर में आने वाला हर मेहमान गुजरे। खूबसूरत, सफेद रंग के, मोतियों की सी आभा वाले, नन्हें-नन्हें बेरों से लदी ये टहनियां, सौभाग्य का सूचक मानी जाती है। माना जाता है कि जो भी इन मिसलटों के नीचे से गुजरता है, उसकी किस्मत बदल जाती है। इसीलिए लोग क्रिसमस का बड़ी बेसब्री से इंतजार करते हैं ताकि वे इस मौके पर मिसलटों की टहनियों की छांव से गुजरें और उनकी किस्मत बदल जाए। उन्हें हमेशा प्यार व कामयाबी हासिल हो।

क्रिसमस से महिने भर पहले ही हलके हरे रंग की ताजी, पत्तियों और सफेद पारदर्शी बेरों से सजी मिसलटों की टहनियों के गुच्छे बाजार में बिकने के लिए आ जाते हैं। मिसलटों के झूमर के नीचे चुंबन का रिवाज 19वीं शताब्दी के प्रारंभ में हुआ। हालांकि इससे भी बहुत पहले से इसके महत्व को बार-बार दोहराया जाता रहा है। हां, पहले चुंबन प्रतीकात्मक होता था, लेकिन रहा हमेशा है। नॉर्स पौराणिक कथा के अनुसार लोकी नामक एक दुष्ट देवता ने अंधे होड्डर को उकसाया कि वह अपने सज्जन और प्रियदर्शन भाई बलडर का मिसलटों की टहनी से बने तीर से वध करे। होड्डर ने ऐसा ही किया। बलडर भयंकर रूप से घायल होकर छटपटाने लगा। उसकी पीड़ा देखकर अन्य प्राणी भी रोने लगे। उनके अश्रु का संचय करके मिसलटों के पौधों पर छिड़क दिया गया, माना जाता है कि वही अश्रु मुक्ता धवल बेरियों के रूप में टहनियों पर खिल उठे हैं। इस घटना के बाद से ही मिसलटों के प्रयोग, प्यार के आदान-प्रदान के रूप में प्रारंभ हुआ। मिसलटें केवल प्यार का प्रतीक भर नहीं हैं, अगर इनकी वानस्पतिक खूबियों को जानें तो ये मिसलटें एक किस्म की औषधि भी हैं, जिसका प्रयोग ऐपिलेप्सी(मिरगी), बांझपन और अल्सर में किया जाता है। कुछ पर्यावरणीय दिक्कतों और जलवायु परिवर्तनों के कारण बीसवीं शताब्दी में मिसलटों की पैदावार एकदम कम हो गयी। हालांकि अब इसकी पैदावार बढ़ाने के उपाय किए गए हैं। क्रिसमस के समय ये मिसलटें फ्रांस और अन्य यूरोपीय देशों से आयात होती हैं। फ्रांसीसी मिसलटों की टहनियां छोटी-छोटी होती हैं और इन पर फूल भी संख्या में कम लगते हैं। ये जल्दी मुरझा भी जाते हैं।

भारत में मिसलटें अभी तक उपलब्ध नहीं हैं लेकिन इस सुंदर प्रथा को पसंद करने वाले अपने घरों में उसकी जगह ताजे फूलों के गुच्छे लटका लेते हैं या मोरपंखी के पौधे की टहनियां को मिसलटों की तरह उपयोग में लाते हैं। अगर मोरपंखी का पौधा भी उपलब्ध न हो, तो कृत्रिम मिसलटों का विकल्प तो होता ही है। फिर नकली मिसलटों जैसे डेकोरेशन भी आज की तारीख में उपलब्ध हैं।

THE PERFECT LUXURY RESORT

RAMADA®
UDAIPUR RESORT & SPA

Rampura Circle, Kodiyat Road, Udaipur - 313 001
Tel. : 0294 3053800,9001298880 | Fax : 0294 3053900
reservations@ramadaudaipur.com | www.ramadaudaipur.com

पाठकपीठ

'प्रत्यूष' का 'परवरिश' स्तंभ अच्छा लगा। नवम्बर के अंक में दिलीप सिंह द्वारा बच्चों के बारे में दी गई सलाह अच्छी लगी। निश्चय ही बच्चे हमारे कल का भविष्य हैं। इन्हें संवारने में अभिभावकों को हमेशा सतर्क और रचनात्मक दृष्टि का उपयोग करना चाहिए।

- लोकेश त्रिवेद्वी, उद्योगपति

अमिताभ बच्चन को दादा साहेब फालके अवार्ड मिलना उनकी अभिनय प्रतिभा और उनकी मानवीय संवेदना का सम्मान है। मैं स्वर कोकिला लताजी के इस कथन से पूरी तरह सहमत हूँ कि उन्हें यह सम्मान मिलने में विलम्ब हुआ। 'प्रत्यूष' के नवम्बर अंक में बच्चन के अवदान को लेकर प्रकाशित अमित शर्मा का आलेख बहुत ही सुन्दर ओर सटीक लगा।

- विश्वजीत कुमार, निदेशक, पारस जे. के. हॉस्पीटल

अयोध्या में विवादित भूमि के मालिकाना हक संबंधी फैसले का पूरे देश ने स्वागत किया। माननीय सुप्रीम कोर्ट की मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली 5 सदस्यीय पीठ ने सर्वसम्मति से जो फैसला दिया है, उसमें न कोई हारा न जीता। सदियों पुराना विवाद समाप्त हो गया। इस सम्बन्ध में 'प्रत्यूष' के नवम्बर अंक में प्रकाशित आलेख में भी यही मुद्दा उठाया गया था कि - क्या आने वाला फैसला 'सदियों पुराना जख्म भर पाएगा?' निश्चय ही दोनों पक्षों के जख्मों पर फैसला मरहम का काम करेगा।

- गजेन्द्र सिंह चुण्डावत, उद्यमी

'प्रत्यूष' का माह नवम्बर का अंक देखा। राजस्थान सरकार ने अन्ततः अपने उस आदेश को वापस ले लिया था, जिसमें पार्षद बने बिना ही कोई भी स्थानीय निकाय में मुखिया की दावेदारी पेश कर सकता था। निश्चय ही यह आदेश हास्यास्पद था और खुद सत्तारूढ़ दल में उपमुख्यमंत्री सहित कई विधायकों ने इसकी आलोचना की थी। इस सम्बन्ध में 'जगदीश सालवी' का विश्लेषणात्मक आलेख अच्छा लगा।

- रामलाल गौड़, समाजसेवी

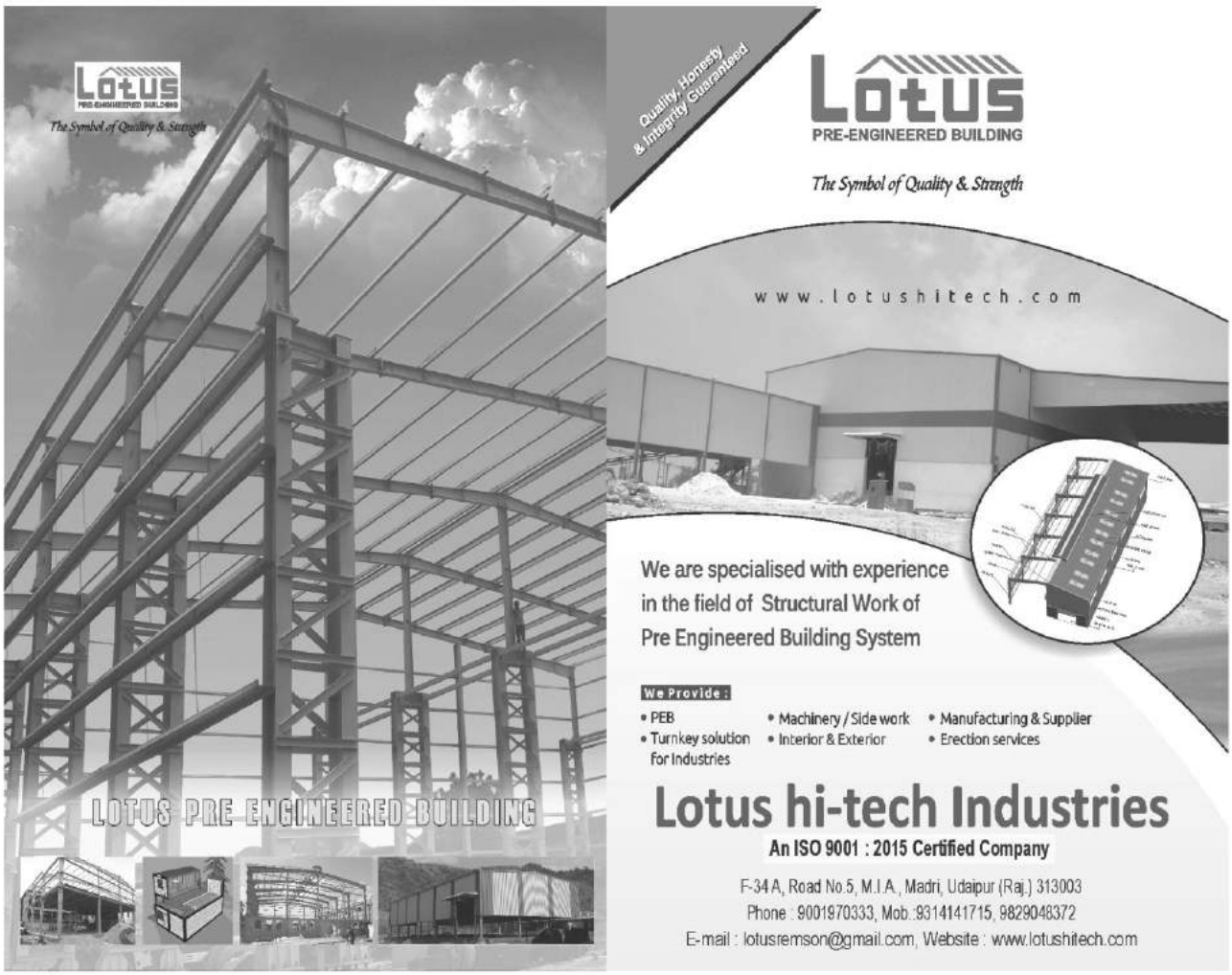

Meenakshi
GROUP

Meenakshi
Property Dealer

1, Reti Stand, Central Area, Udaipur (Raj.)
Mobile : 9829040200, 9928011911
Phone : 0294-2486213, Fax : 0294-2583701
Website : www.meenakshiproperty.com E-mail : meenakshi.property@gmail.com

मंदिर सियासत का पटाक्षेप

> अयोध्या राम जन्मभूमि मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले से तेज हुई चर्चा के विविध पक्ष हैं। सरकारों से लेकर राजनीतिक दलों तक और बुद्धिजीवी समाज से लेकर धर्मगुरुओं तक, सभी हालात को समझने और संभालने के प्रति सजग हैं। हर स्तर पर यह सहमति दिख रही है कि माहौल बिगड़ना नहीं चाहिए। ऐसी सजगता से ही हमारा समरस समाज बनता है।
>
> हमें उन तत्वों से सावधान रहना होगा जो सदियों पुराने विवाद को सुलझाने के साथ ही सुप्रीम कोर्ट द्वारा रखी गई साम्प्रदायिक सौहार्द की मज़बूत नींव को नुकसान पहुंचाने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं।

- जगदीश सालवी

लम्बे अंतराल से चल रहे अयोध्या(राममंदिर-बाबरी मस्जिद) विवाद का, देश की सर्वोच्च अदालत ने 9 नवम्बर 2019 को ऐसा बुद्धिमत्ता पूर्ण निर्णय दिया है जो वैधानिक, तार्किक और बौद्धिक धरातल पर श्रेष्ठ निर्णय परिभाषित किया जा सकता हैं। पांचों न्यायमूर्तिगण ने सभी तथ्यात्मक और वैधानिक बिन्दुओं पर लगातार बहस सुनकर सर्वप्रथम अपना 'एक मत' बनाया, यह इस प्रकरण की विशेष पृष्ठभूमि में सबसे सकारात्मक बात रही है, जो न्यायपालिका की निष्पक्षता और सकारात्मकता को दृढ़ता से स्थापित करती है।

सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला व्यापक है, उसने कायदे-कानून में रहते हुए आस्था की दृष्टि से भी किसी को पूरी तरह से निराश नहीं किया। अयोध्या में नई मस्जिद बनेगी, उसके लिए पांच एकड़ जमीन का इंतजाम सरकार को करना है। अब ये मस्जिद कहां बनेगी, कब बनेगी, यह फैसला केवल सम्बन्धित धर्मगुरुओं को करने दिया जाए।

फैसला आस्थाओं के आधार पर नहीं, सबूतों के आधार पर है, यह साफ करके सुप्रीम कोर्ट ने विश्वास और तथ्य के बीच संतुलन बनाने का काम किया है। अदालत ने बाबरी मस्जिद निर्माण से पहले वहां राम मंदिर होने के पुख्ता सबूत मौजूद नहीं होने की बात मानते हुए भी मंदिर जैसी संरचना होने की संभावना को स्वीकार किया। दूसरी तरफ आस्था को व्यक्ति की निजी भावना बताते हुए जमीन के मालिकाना विवाद में फैसले का आधार मानने से इनकार कर दिया। यह आस्था व संभावना का अभूतपूर्व संतुलन है। इसी तरह रामलला विराजमान को कानूनी व्यक्ति मानने पर विवादित भूमि को जन्मभूमि मानने से इनकार करने के बीच भी बारीक संतुलन है। ऐसा ही संतुलन मस्जिद गिराने को गैर-कानूनी मानने पर विवादित भूमि का मालिकाना हक रामलला विराजमान को देने में भी दिखता है। यह संतुलन भविष्य में ऐसे मसलों के लिए नजीर बनेगा।

अदालतों की चौखट के बाद यह मामला अब सरकारी फाइलों में नहीं अटकना चाहिए। मंदिर निर्माण के लिए तीन चरणों में काम करना होगा। केन्द्र सरकार को अगले दो महीने में मंदिर निर्माण हेतु नए ट्रस्ट का गठन और सदस्यों का मनोनयन करना होगा। अदालत के फैसले के अनुसार निर्मोही अखाड़े के साथ उन सभी लोगों को ट्रस्ट में स्थान मिलना चाहिए, जिससे राम मंदिर एक वैश्विक मिसाल बन सके। दूसरे चरण में विवादित भूमि और आसपास की अधिग्रहित्त भूमि को ट्रस्ट के पक्ष में हस्तांतरित किया जाएगा। संसद के कानून के अनुसार सभी भूमि मालिकों को बाजार दर के अनुसार समुचित मुआवजा मिलना चाहिए, जिससे मंदिर निर्माण में अब नई बाधाएं पैदा न हों।

फैसले में देवता को न्यायिक व्यक्ति के दर्जे की मान्यता की पुष्टि के बाद अन्य धार्मिक स्थलों पर विवाद की बात कही जा रही है। लेकिन, संसद ने धार्मिक स्थलों की स्थिति और दर्जे को सुरक्षित रखने के लिए 1991 में पहले ही कानून बनाया हुआ है, इसलिए ऐसी आशंकाएं गैरवाजिब हैं। पूरे भारत के जनमानस में व्याप्त राम की जन्मभूमि के मामले की अन्य धार्मिक स्थानों के साथ तुलना भी नहीं की जा सकती। दरअसल आजादी के बाद अनेक अन्यायकारी पहलुओं को गलत तरीके से धर्मनिरपेक्षता का प्रतीक बनाए जाने पर बहुसंख्यक जनमानस में आक्रोश था। इस फैसले के बाद भी राष्ट्रीय सहमति के स्वरों से यह उम्मीद जागती है कि अब वास्तविक अर्थों में देश में धार्मिक समरसता और सौहार्द का विकास हो सकेगा।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक विवादित 2.77 एकड़ जमीन प्रस्तावित ट्रस्ट को सौंपने और 5 एकड़ जमीन सुन्नी सेन्ट्रल वक्फ बोर्ड को देने का काम एक साथ होना है। पक्षकारों को तय करना है कि क्या वे 5 एकड़ जमीन लेंगे और अगर हां तो प्राथमिकता किस स्थान पर रहेगी। राम मंदिर ट्रस्ट दूसरे बड़े मंदिरों की तरह सोमनाथ ट्रस्ट, अमरनाथ श्राइन बोर्ड या माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड की तर्ज पर बन सकता है।

हिन्दू पक्ष के वकील

के. परासरन

पूर्व अटॉर्नी जनरल परासरन ने अयोध्या मामले पर सुप्रीम कोर्ट में बहस करते हुए पौराणिक तथ्यों के आधार पर मंदिर होने की दलीलें पेश की।

पीएस नरसिम्हा

सुप्रीम कोर्ट में पूर्व एडिशनल सॉलिसिटर जनरल नरसिम्हा पुराणों की बात को मजबूती से पेश किया।

रंजीत कुमार

पूर्व सॉलिसिटर जनरल ने सुप्रीम कोर्ट में पूजा का हक मांगने वाले गोपाल सिंह विशारद की ओर से बहस की।

हरिशंकर जैन

अखिल भारतीय हिन्दू महासभा की ओर से हरिशंकर जैन ने सुप्रीम कोर्ट में मंदिर के पक्ष में दलीलों को रखा था।

जयदीप गुप्ता

सुप्रीम कोर्ट में गुप्ता ने निर्वाणी अखाड़ा के धर्मदास की ओर से बहस की।

सीएस वैद्यनाथन

सीएस वैद्यनाथन एएसआई की रिपोर्ट की प्रासंगिकता व वैधता के आधार पर पक्ष को सबल किया।

पीएन मिश्रा

अखिल भारतीय श्रीराम जन्म भूमि पुनरुद्धार समिति की ओर से पीएन मिश्रा ने सुप्रीम कोर्ट में बहस की।

सुशील कुमार जैन

निर्मोही अखाड़ा की ओर से सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए और बहस के दौरान मंदिर पर दावा पेश किया।

मुस्लिम पक्ष के वकील

राजीव धवन

मुस्लिम पक्षकारों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता राजीव धवन सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए थे। उन्होंने मालिकाना हक मामले में मुख्य बहस की।

शेखर नाफड़े

शेखर नाफड़े भी सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए। उन्होंने यह सिद्ध करने का प्रयास किया कि मालिकाना हक के केस पर कोर्ट अब सुनवाई नहीं कर सकता।

जफरयाब जिलानी

मुस्लिम पक्ष की ओर से जफरयाब जिलानी कोर्ट में पेश हुए। उन्होंने इमाम के वेतन आदि के सबूत पेश कर वहां मस्जिद होने का सबूत पेश किया था।

निजामुद्दीन पाशा

निजामुद्दीन पाशा ने पवित्र कुरान की आयतों के आधार पर देश की सबसे बड़ी अदालत में इस्लामिक कानून पर बहस की थी।

मीनाक्षी अरोड़ा

मीनाक्षी अरोड़ा मुस्लिम पक्ष की ओर से पेश हुई। उन्होंने एएसआई की रिपोर्ट के खिलाफ बहस की थी।

ओवैसी पर भड़के उलेमा

अयोध्या पर उच्चतम न्यायालय का फैसला आने के बाद हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी की बयानबाजी को लेकर बरेलवी मसलक के उलेमा ने तीखी प्रतिक्रिया दी हे। उलेमा का कहना है कि ओवैसी बयानबाजी कर मुसलमानों को गुमराह करने की कोशिश में लगे हैं।

तन्जीम उलमा-ए-इस्लाम के महासचिव मौलाना शहाबुद्दीन रिजवी ने कहा कि अयोध्या मुद्दे पर उच्चतम न्यायालय का जो फैसला आना था, वो आ चुका। दिल्ली में मुस्लिम संगठनों की बैठक में सभी ने इस बात पर सहमति जताई थी कि अदालत जो फैसला देगा, उसको हम मानेंगे। मगर फैसले के दो दिन बाद मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड अपने बयान से हटकर असहमति की बात करने लगा।

मौलाना शहाबुद्दीन ने कहा - मस्जिद कहां बनेगी, उसका स्वरूप क्या होगा, इसको तय करने का अधिकार ओवैसी को नहीं है। इसलिए इस पर फिजूल की भाषणबाजी कर वह नफरत का माहौल न पैदा करें। कोर्ट ने मस्जिद कहां बनेगी, इसका अधिकार बाबरी मस्जिद के पक्षकार इकबाल अंसारी व हाजी महबूब अली को दिया है। यह फैसला इन दोनों लोगों के ऊपर छोड़ दिया जाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों ओवैसी ने यह कह कर कि 'मुझे मेरी मस्जिद चाहिए।' साम्प्रदायिक माहौल को खराब करने का प्रयास किया। हालांकि मुस्लिम उलेमा उनकी उपेक्षा कर अदालती आदेश को सर माथे पर रखने की बात कह चुके हैं।

(पृष्ठ 29 व 32 भी देखें)

डिसाइड का वादा, कपड़े धुले साफ और ज्यादा

AADHAR PRODUCTS

डिसाइड®

वाशिंग पाउडर

हमारे अन्य उत्पाद

- डिसाइड वाशिंग पाउडर
- डिसाइड सुपर व्हाईट वाशिंग पाउडर
- डिसाइड सुपर व्हाईट वाशिंग पाउडर 4कि.ग्रा. जार
- डिसाइड गोल्ड वाशिंग पाउडर
- एडवाइस वाशिंग पाउडर
- एडवाइस डिटर्जेन्ट केक
- डिसाइड डिशवाश बार
- डिसाइड डिशवाश टब
- डिसाइड डिटर्जेन्ट केक
- डिसाइड नमक
- डिसाइड बाथ सोप

AADHAR PRODUCTS PVT. LTD.
(AN ISO 9001:2015 CERTIFIED COMPANY)
F-264, F-264A, RIICO Ind. Area, Gudli, Udaipur - 313 024 (Raj.) India
CIN : U15412RJ2005PTC020174

FOR CONSUMER FEEDBACK, PLEASE CONTACT TO EXECUTIVE (CUSTOMER CARE) ON
77278 64004
or email at aadharproducts@rediffmail.com

www.aadharproducts.in

इतिहास के आइने में अयोध्या विवाद

राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद से जुड़ी महत्वपूर्ण तारीखें

✍ सनत जोशी

- **1528 :** ऐसा माना जाता है कि अयोध्या में मस्जिद का निर्माण मुगल सम्राट बाबर के गवर्नर मीर तकी ने करवाया था। इस कारण इसे बाबरी मस्जिद के नाम से जाना गया था।
- **1853 :** उच्चतम न्यायालय में बहस के दौरान कहा गया कि पहली बार इस विवादित स्थल को लेकर साम्प्रदायिक दंगे हुए।
- **1859 :** ब्रिटिश शासकों ने विवादित स्थल पर बाड़ लगा दी थी और परिसर के भीतरी हिस्से में मुसलमानों को और बाहरी हिस्से में हिन्दुओं को प्रार्थना करने की अनुमति दे दी।
- **1885 :** निर्मोही अखाड़े के महंत रघुबर दास ने राम चबूतरे पर मंदिर निर्माण की अनुमति के लिए मुकदमा किया और अदालत से मांग की थी कि चबूतरे पर मंदिर बनाने की इजाजत दी जाए। यह मांग खारिज हो गई।
- **1949 :** जुलाई में उप्र सरकार ने मस्जिद के बाहर राम चबूतरे पर राम मंदिर बनाने की कवायद शुरू की, लेकिन यह भी नाकाम रही। 22-23 दिसम्बर 1949 की मध्य रात्रि को मस्जिद में राम-सीता और लक्ष्मण की मूर्तियां रख दी गई। उसके बाद 29 दिसम्बर को यह विवादित संपत्ति कुर्क कर ली गई और वहां रिसीवर बिठा दिया गया।
- **1950 :** गोपाल दास विशारद ने 16 जनवरी को अदालत का दरवाजा खटखटाया। उनकी दलील थी कि मूर्तियों वहां से न हटे और पूजा बेरोकटोक हो। निचली अदालत ने कहा कि मूर्तियां नहीं हटेंगी, लेकिन ताला बंद रहेगा और पूजा सिर्फ पुजारी करेगा। जनता बाहर से दर्शन करेगी।
- **1959 :** निर्मोही अखाड़ा अदालत पहुंचा और सेवादार के नाते विवादित जमीन पर अपना दावा पेश किया।
- **1961 :** सुन्नी सेन्ट्रल वक्फ बोर्ड ने अदालत में मस्जिद पर दावा पेश किया।
- **1986 :** एक फरवरी को फैजाबाद के जिला जज ने जन्मभूमि का ताला खुलवाकर पूजा की अनुमति दे दी।
- **1986 :** कोर्ट के इस फैसले के खिलाफ बाबरी मस्जिद एक्शन कमेटी बनाने का फैसला हुआ।
- **1989 :** विश्व हिन्दू परिषद नेता देवकीनंदन अग्रवाल ने रामलला की तरफ से मंदिर के दावे का मुकदमा किया।
- **1989 :** नवम्बर में मस्जिद से थोड़ी दूर पर राम मंदिर का शिलान्यास किया गया।
- **25 सितम्बर 1990 :** भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी ने सोमनाथ से अयोध्या तक की रथ यात्रा शुरू की। इससे अयोध्या में राम मंदिर बनवाने को लेकर उग्र वातावरण बना, जिसके परिणाम स्वरूप गुजरात, कर्नाटक, उत्तरप्रदेश और आंध्र प्रदेश में दंगे

भड़के। कई इलाके कर्फ्यू की चपेट में आ गए। आडवाणी को 23 अक्तूबर को बिहार में तत्कालीन मुख्यमंत्री लालू यादव ने गिरफ्तार करवा दिया।

- **30 अक्तूबर 1990 :** अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि आन्दोलन के लिए पहली कारसेवा हुई थी। कारसेवकों ने मस्जिद पर चढ़कर झंडा फहराया था, इसके बाद फिर दंगे भड़के।
- **1991 :** जून में आम चुनाव हुए और उत्तरप्रदेश में भाजपा की सरकार बनी।
- **1992 :** 30-31 अक्तूबर को धर्म संसद में कारसेवा की घोषणा हुई।
- **1992 :** नवम्बर में राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री कल्याण सिंह ने अदालत में मस्जिद की हिफाजत का हलफनामा दिया।
- **6 दिसम्बर 1992 :** लाखों कारसेवकों ने बाबरी मस्जिद ढहा दी। कारसेवक 11 बजकर 50 मिनट पर मस्जिद के गुम्बद पर चढ़े। करीब 4.30 बजे मस्जिद का तीसरा गुम्बद भी गिर गया जिसकी वजह से देश भर में हिन्दू और मुसलमानों के बीच साम्प्रदायिक दंगे हुए।

सत्य, तथ्य, कथ्य और तर्क की नायाब मिसाल

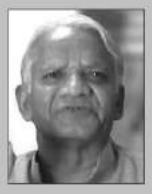

माननीय सुप्रीम कोर्ट ने अयोध्या मामले पर जो फैसला दिया है, वह सत्य, तथ्य, कथ्य और तर्क का बेहतरीन उदाहरण है। यह ऐसा फैसला है, जो सौहार्द की राह बनाता है, सद्भाव-प्रेम के पुल गढ़ता है। और सबसे बड़ी बात यह कि हमारी राष्ट्रीय एकता की जो मूल भावना है, 'सारे जहां से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा' की पुष्टि करता है। वैसे भी सौहार्द्र की सड़क और प्रेम के पुल पर विश्वास के साथ जो वाहन दौड़ते हैं, वही मंजिल तक पहुंचते हैं। यह जरूरी है कि हम माननीय सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को मानें और सद्भाव जारी रखें। इस्लाम धर्म के प्रवर्तक पैगम्बर हजरत मोहम्मद साहब सदैव सौहार्द्र के पक्षधर रहे, सहिष्णुता उनका स्वभाव था और बंधुत्व के साथ-साथ सभी धर्मों का सम्मान करना उनके चरित्र और चिंतन की विशेषता थी।

- अजहर हाशमी, सूफी विचारक, शिक्षाविद्

हम सबके बीच एक तरह से यह सहमति पहले से ही बन रही थी कि सुप्रीम कोर्ट का जो भी फैसला आएगा, उसका सम्मान सभी को करना है। अब किसी भी तरह की कोई ऐसी बात नहीं होनी चाहिए, जिसे अदालत का किसी भी तरह से अपमान हो।

- अख्तरुल वासे, प्रोफेसर, जामिया मिलिया इस्लामिया

किसने क्या कहा

सर्वोच्च न्यायालय ने अपना फैसला सुना दिया है। इस फैसले को किसी की हार या जीत के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। रामभक्ति हो या रहीमभक्ति, ये समय हम सभी के लिए भारतभक्ति की भावना को सशक्त करने का है।

- नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय का स्वागत है, देश की एकता व सद्भाव बनाए रखने में सभी सहयोग करें, यूपी में शांति, सुरक्षा और सद्भाव का वातावरण बनाए रखने के लिए यूपी सरकार पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है।

- योगी आदित्यनाथ,
मुख्यमंत्री, यूपी

शीर्ष अदालत के इस फैसले का सम्मान करते हुए हम सब को आपसी सद्भाव बनाए रखना है। ये वक्त हम सभी भारतवासियों के बीच बन्धुत्व, विश्वास और प्रेम बनाए रखने का है।

- राहुल गांधी,
नेता, कांग्रेस

लम्बे इंतजार के बाद आखिरकार सत्य की जीत हुई। जन्मभूमि स्थल पर भव्य राम मंदिर का निर्माण जल्द शुरू किया जाएगा। सर्वोच्च न्यायालय के फैसले ने सिद्ध कर दिया है कि सच कभी परास्त नहीं होता।

- महंत नृत्यगोपालदास,
अध्यक्ष
श्रीराम जन्मभूमि न्यास

विवादित स्थल पर अखाड़े का दावा खारिज होने का अफसोस नहीं है, क्योंकि वह भी रामलला का ही पक्ष ले रहा था। न्यायालय ने रामलला के पक्ष को मजबूत माना है। इससे निर्मोही अखाड़े का मकसद पूरा हुआ है।

- महंत धर्मदास,
निर्मोही अखाड़ा

सुप्रीम कोर्ट ने जो फैसला सुनाया है, मैं उससे खुश हूं। मैं न्यायालय के फैसले का सम्मान करता हूं। ये मसला बहुत अहम था जो आज खत्म हो गया।

- इकबाल अंसारी
मुख्य पक्षकार,
बाबरी मस्जिद

St. James School

Prabhakar
Director

Mob. : 94142 45236

225, Sukh Devi Nagar, Bedla Talai, Udaipur

Madanlal Chaanra
#92144 53304

MOTOROLA

Dealers : 2-Way Radios

Mobile Communications

WIRELESS ENGINEERS (Free Warranty Services)

243/17, "Nundee", Ashok Nagar, (Maya Misthan)
Opp. Vigyan Samiti, UDAIPUR-313001 (Raj.)
Ph. : 0294-2420455 E-mail : mobcom@gmail.com

Ministry of Communicaions & IT Lic. No. AJR/DPL/04/2000
PAN# : ADJPC3852C TIN #08164003800

कुछ दुनिया से अलविदा तो कुछ दरकिनार

अयोध्या विवाद वर्षों से चला आ रहा था, लेकिन 1949 से इसने तूल पकड़ना शुरू किया। आज से तीन दशक पहले राममंदिर आन्दोलन शिखर तक पहुंच गया था। इसकी अनुगूंज पूरे देश में सुनाई दी थी। इस आंदोलन के कई नेता दुनिया को अलविदा कह चुके हैं तो कुछ अब राजनीति के हाशिये पर हैं। आइए जानते हैं इसे धार देने वाले नेता कौन थे। अब वे कहां और किस हालत में हैं –

✍ संदीप गर्ग

ये छोड़ गए दुनिया...

महंत अवैद्यनाथ

महंत अवैद्यनाथ का नाम विवादित भूमि पर रामलला की मूर्ति स्थापना में अहम योगदान के लिए याद किया जाता है। महंत अवैद्यनाथ अब इस दुनिया में नहीं है।

महंत परमहंस दास

दिगम्बर अखाड़ा के महंत परमहंस दास आन्दोलन के प्रमुख प्रणेताओं में से थे। राम जन्मभूमि न्यास समिति के अध्यक्ष परमहंस अब इस दुनिया में नहीं है।

अशोक सिंघल

विहिप नेता अशोक सिंघल ने उस समय रामंदिर के लिए चले आंदोलन में अहम भूमिका अदा की थी। सिंघल भी दुनिया को अलविदा कह चुके हैं।

हाशिम अंसारी

हाशिम अंसारी 65 साल तक पैरोकार रहे। 28 साल की आयु में अंसारी 1949 में मामले से जुड़े थे। जुलाई 2016 में 95 साल की आयु में उनका निधन हो गया था।

हाशिये पर मूल हिन्दुत्ववादी

लालकृष्ण आडवाणी

भाजपा के संस्थापक सदस्य लालकृष्ण आडवाणी ने भी बाबरी मस्जिद प्रकरण में अहम किरदार निभाया था। आडवाणी अब भाजपा के मार्गदर्शक मंडल में हैं।

उमा भारती

मामले में उमा भारती विध्वंसक भीड़ का प्रमुख हिस्सा थीं। मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में वे मंत्री भी रहीं। अब वह पार्टी की केन्द्रीय उपाध्यक्ष हैं।

मुरली मनोहर जोशी

इस आंदोलन के मुख्य प्रणेताओं में से एक नाम अटल सरकार में मंत्री रहे मुरली मनोहर जोशी का भी है। जोशी को भाजपा ने मार्गदर्शक मंडल में जगह दे रखी है।

कल्याण सिंह

बाबरी मस्जिद विध्वंस के समय उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री रहे कल्याण सिंह ने कुछ समय पहले ही राजस्थान के राज्यपाल का कार्यकाल पूरा किया है।

मुस्लिम पक्षकार

जफरयाब जिलानी

1986 में बाबरी मस्जिद एक्शन कमेटी का गठन हुआ। इसके संयोजक जफरयाब जिलानी बनाए गए। उन्होंने मामले में मुस्लिम पक्ष की ओर से पैरवी की।

इकबाल अंसारी

2016 में पिता हाशिम अंसारी की मौत के बाद इकबाल बाबरी मस्जिद के मुख्य पक्षकार बने। वे विवादित स्थल से कुछ दूरी पर टायर पंक्चर लगाने का काम करते हैं।

हाजी महबूब

1949 में निर्मोही अखाड़ा के खिलाफ हाजी फेकू ने सर्वप्रथम मामला दर्ज कराया था। उनकी मृत्यु के बाद पुत्र हाजी महबूब मुस्लिम पक्षकार हैं। महबूब ने ही ढांचा विध्वंस केस से हाईकोर्ट में बरी हुए लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, कल्याण सिंह व अशोक सिंघल समेत कई लोगों के खिलाफ याचिका दायर की। मामले में सुनवाई चल रही है।

इतिहास में दर्ज

जस्टिस रंजन गोगोई

मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई ने पीठ की अगुवाई की। उन्होंने 3 अक्तूबर 2018 को बतौर मुख्य न्यायाधीश पदभार ग्रहण किया था और 17 नवम्बर 2019 को सेवानिवृत्त हो गए। 18 नवम्बर, 1954 को जन्मे जस्टिस रंजन गोगोई 1978 में बार काउंसिल से जुड़े थे। 2001 में गुवाहाटी हाईकोर्ट में जज भी बने। वह पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट में बतौर जज 2010 में नियुक्त हुए। 2011 में पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बने। 23 अप्रैल, 2012 को जस्टिस रंजन गोगोई उच्चतम न्यायालय के जज बने। बतौर मुख्य न्यायाधीश कार्यकाल में कई ऐतिहासिक मामलों को सुना है, जिसमें अयोध्या, एनआरसी, जम्मू-कश्मीर आरटीआई पर याचिकाएं शामिल हैं।

जस्टिस शरद ए बोबड़े

पीठ में दूसरे जज शरद अरविन्द बोबडे थे। 1978 में वहबार काउंसिल ऑफ महाराष्ट्र से जुड़े। बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर बेंच में लॉ की प्रैक्टिस की। 1998 में वरिष्ठ वकील बने। 2000 में उन्होंने बॉम्बे हाईकोर्ट में बतौर एडिशनल जज पदभार ग्रहण किया। वह मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बने। 2013 में सुप्रीम कोर्ट में बतौर जज कमान संभाली। जस्टिस रंजन गोगोई की सेवानिवृत्ति के बाद वर्तमान में मुख्य न्यायाधीश हैं।

जस्टिस अशोक भूषण

जस्टिस अशोक भूषण का जन्म जौनपुर(उप्र) में हुआ था। वह 1979 में यूपी बार काउंसिल का हिस्सा बने, जिसके बाद इलाहाबाद हाईकोर्ट में वकालत की प्रैक्टिस की। उन्होंने इलाहाबाद हाईकोर्ट में कई पदों पर काम किया। 2001 में बतौर जज नियुक्त हुए। 2014 में केरल हाईकोर्ट के जज नियुक्त हुए। 2015 में मुख्य न्यायाधीश बने। 13 मई 2016 को उन्होंने उच्चतम न्यायालय के जज के रूप में कार्यभार संभाला।

जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़

जस्टिस धनंजय यशवंत चंद्रचूड़ ने 13 मई, 2016 को उच्चतम न्यायालय के जज का पदभार संभाला था। इनके पिता जस्टिस यशवंत विष्णु चंद्रचूड़ भी उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश रह चुके हैं। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश रह चुके हैं। वह बॉम्बे हाईकोर्ट में भी बतौर जज रह चुके हैं। बतौर जज नियुक्त होने से पहले वह देश के एडिशनल सॉलिसिटर जनरल रह चुके हैं।

जस्टिस अब्दुल नजीर

जस्टिस एस. अब्दुल नजीर ने फरवरी 1983 में कर्नाटक हाईकोर्ट में वकालत शुरु की। 20 साल तक वकील रहने के बाद फरवरी 2003 में उन्हें कर्नाटक हाईकोर्ट में एडिशनल जज बनाया गया। 2004 में स्थायी जज बने। फरवरी 2017 में उच्चतम न्यायालय के जज बने 2017 में उन्होंने तब के मुख्य न्यायाधीश जे एस खेहर के साथ तीन तलाक मामले पर कहा था कि कोर्ट किसी धर्म के निजी कानूनों में हस्तक्षेप नहीं कर सकती।

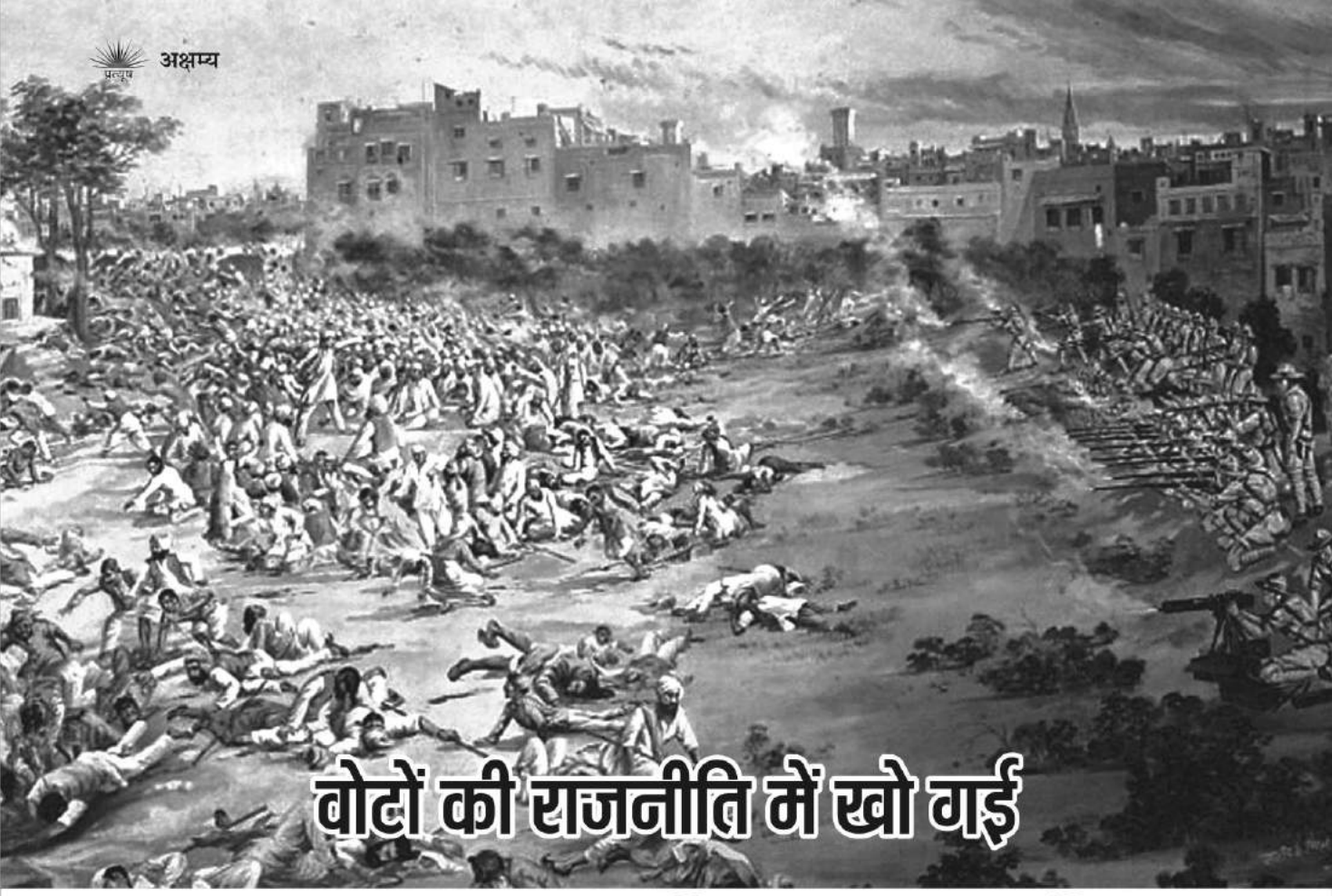

वोटों की राजनीति में खो गई

'शहादत की शताब्दी'

13 अप्रेल 1919 को देश की आज़ादी के आन्दोलन के दौरान घटित शहादत की लोमहर्षक घटना को इस वर्ष अप्रेल में सौ वर्ष पूर्ण हुए, किन्तु 'जलियांवाला बाग हत्याकाण्ड' के नाम से इतिहास में स्वर्णाक्षरों से दर्ज शहादत की इस शताब्दी को 'वोटखोरों की राजनीति' ने भुला दिया। राष्ट्रीय स्तर पर कोई ऐसा श्रद्धांजलि-समर्पण आयोजन नहीं हो सका, जिसकी गूंज देश-विदेश में सुनाई पड़ती।

✍ अशोक तम्बोली

राष्ट्रवाद की लहर पर सवार होकर भारी बहुमत के साथ कई राज्यों और केन्द्र में सत्तारूढ़ हुई भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती जनमानस की बापू के प्रति श्रद्धा और स्वतंत्रता आन्दोलन में उनके योगदान को देखते हुए जोर-शोर से मना रही है। अगस्त में जम्मू-कश्मीर में संविधान के अनुच्छेद 370 और धारा 35-ए को समाप्त करने के बाद 31 अक्टूबर को देश के प्रथम उपप्रधानमंत्री एवं देशी रियासतों का एकीकरण कर संगठित विशाल एवं मज़बूत भारत की तामीर करने वाले सरदार पटेल की जयन्ती पर भी सारे देश में 'एकता के लिए दौड़' का आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केवड़िया(गुजरात) में कहा कि 'कभी सरदार पटेल ने कहा था कि अगर कश्मीर का मसला उनके पास रहा होता, तो उसे सुलझने में इतनी देर नहीं होती। अनुच्छेद 370 पर सरकार का फैसला देश की जनता की ओर से सरदार साहब को समर्पित है।' स्वतंत्रता के प्रथम संग्राम(1857) के 150 वर्ष पूरे होने पर वर्ष 2007 में सत्ता में रही कांग्रेस ने भी देश में कई जगह बड़े-बड़े जश्न किए थे। ये सब होने भी चाहिए लेकिन दु:ख इस बात का है कि ये दोनों ही दल सत्ता की दौड़ और वोटों की राजनीति में इस कदर मसरूफ़ हो गए कि देश की आजादी के आन्दोलन में हज़ारों भारतीय बेटे-बेटियों की शहादत की शताब्दी को ही भूला बैठे। उतना ध्यान नहीं दिया गया, जितना दिया जाना चाहिए था। रौलट एक्ट के विरोध में यह घटना 13 अप्रेल 1919 को पंजाब के अमृतसर में घटित हुई जो बाद में जलियांवाला बाग हत्याकाण्ड के नाम से इतिहास में दर्ज हुई।

इस घटना के करीब 94 वर्ष बाद ब्रिटिश हुकूमत ने इस हत्याकाण्ड पर खेद भी व्यक्त किया, लेकिन जिस कांग्रेस के नेतृत्व में आज़ादी का आन्दोलन लड़ा गया वह और उसके बाद 2014 में राष्ट्रवाद का मुखौटा लगाकर सत्ता में आई भाजपा तथा दीगर राजनैतिक दल भी शहादत की सूर्ख और प्रेरणादायी घटना की शताब्दी को ही भूला बैठे। न कहीं आयोजन हुआ और न चर्चा।

13 अप्रेल को हर वर्ष देश में बैसाखी का पर्व मनाया जाता है। इसी दिन गुरु गोविन्द सिंह ने खालसा पंथ की स्थापना भी की थी। इसी दिन अंग्रेजी हकूमत ने इस खूनी घटना को अंजाम दिया जो देश आजादी के यज्ञ में देश भक्तों की सामूहिक बड़ी आहुति थी। घटना सन् 1919 में 13 अप्रेल के दिन ही घटित हुई थी। जलियां वाला बाग पंजाब के अमृतसर शहर में पवित्र स्वर्ण

मंदिर के पास है। 1919 में यह चारों तरफ मकानों से घिरी एक खाली जमीन थी, जिसमें 13 अप्रैल की शाम एक पब्लिक मीटिंग आयोजित की गई थी। हजारों की तादाद में बच्चे, बूढ़े, आदमी और औरतें यहां जमा थे कि तभी अंग्रेजी हुकूमत के अफसर जनरल डायर अपने सिपाहियों के साथ वहां आया और बिना किसी चेतावनी के लोगों पर गोलियां चलाने का हुक्म दे डाला। इस जगह से निकलने का सिर्फ एक रास्ता था और वह भी काफी संकरा, लेकिन उस तरफ भी अंग्रेज सिपाही मौजूद थे। गोलियों से बचने के लिए के लिए लोगों में भगदड़ मच गई। कइयों ने बचने के लिए वहां स्थित एक सूखे कुएं में कूदना सही समझा। लेकिन इतने सारे लोग एक-दूसरे पर कुएं में कूदे कि वे उसमें दम घुटने से मर गए। करीब दो हजार लोग इस दिन शहीद हुए और हजारों घायल हुए।

जलियांवाला बाग में वर्तमान में शहीदी स्मारक और एक अमर ज्योति भी है, जो हर समय प्रज्वलित रहती है। यहां की दीवारों पर उस दिन लगी गोलियों के निशान भी देखे जा सकते हैं। वह शहीदी कुआं आज भी है, जिसमें लोगों ने छलांग लगाई थी। एक शहीदी चित्रशाला है, जिसमें उस दिन की घटना के साथ देश के स्वाधीनता संग्राम के बारे में जानकारी देते चित्र प्रदर्शित हैं। ताज्जुब तो इस बात का है कि पंजाब में सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार ने भी 'शहादत की शताब्दी' पर कोई ऐसा बड़ा आयोजन नहीं किया, जिसकी गूंज देशभर में सुनाई पड़ती।

नई किताब

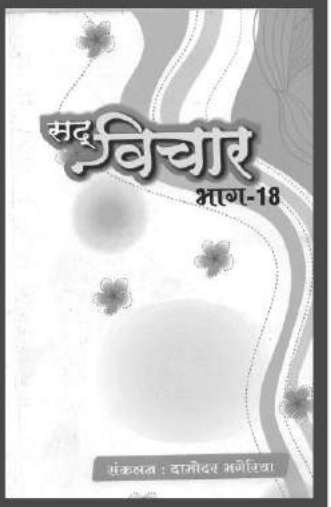

जीव इस संसार में ईश्वरीय कृति है। उसका स्वाभाविक लक्ष्य होता है, पुनः परमसत्ता में विलीन हो जाना। लेकिन माया जीव को परमपुरुष के रास्ते से भटका देती है। इस भटकाव से बचने के लिए ईश-भक्ति ही एक उपाय है। सांसारिक रिश्ते चाहे साथ न निभाएं, पर भक्ति हमेशा व्यक्ति के साथ रहती है। भक्ति के लिए सद्विचारों का अनुसरण आवश्यक है। व्यक्ति को यदि सब प्रकार से अपना मंगल चाहिए तो सत्संग आवश्यक है। सत्संग से सद्विचार उत्पन्न होकर वे शांति, संतोष, जीवन की परिपूर्णता और आनंद का मार्ग प्रशस्त करते हैं। ऐसे ही मार्ग के प्रशस्तिकरण के लिए दामोदर भगेरियाजी ने इसी वर्ष जून में 'सद्विचार' पुस्तक के 18वें पुष्प का प्रकाशन कर समाज को उसकी महक से धन्य किया है। इस पुस्तक में भारत सहित पश्चिमी राष्ट्रों के अनेक मनीषी-विद्वानों, सन्तों-दार्शनिकों और समाज उन्नयन के विविध क्षेत्रों में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने वालों के अनमोल विचारों को संग्रहित किया गया है।

श्री अखण्डानंद सरस्वती, स्वामी शरणानंद, सुबोधानंद, एकनाथ महाराज, रजनीश(ओशो), भगवान बुद्ध, आचार्य चाणक्य, मुनि तरुणसागर, खलिल जिब्रान, जयदयाल गोयंदका सहित अनेक विद्वानों के सारगर्भित विचारों की एक भरी-पूरी श्रृंखला इसमें है। जिसका पठन, मनन और मंथन कर जीवन को सार्थक किया जा सकता है। इस सद्प्रयास और 'सद्विचार' के लिए संकलनकर्त्ता भगेरिया जी को बधाई।

✍ पीयूष शर्मा

भूल सुधार

'प्रत्यूष' के नवम्बर अंक में पृष्ठ 37 पर प्रकाशित 'श्रद्धांजलि' स्तम्भ में 'जुझारू व्यक्तित्व : रामजी मेनारिया' आलेख के लेखक दीपलाल मेनारिया का नाम छपने से रह गया। जिसका हमें खेद है।

- प्रबंध सम्पादक

'हमें चाहिए साफ नीला आसमान'

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रदूषण इतना ज्यादा हो गया है कि सुप्रीम कोर्ट न सिर्फ दिल्ली सरकार, बल्कि केन्द्र को फटकार लगाने पर भी मज़बूर हुआ। पंजाब और हरियाणा सरकारों को दी नसीहत।

✍ मनीष उपाध्याय

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण की स्थिति को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली, पंजाब और हरियाणा की सरकारों व मुख्य सचिवों को जमकर फटकार लगाई और कहा कि अफसरों को अब दण्डित करने का वक्त आ गया है। अदालत ने कहा- 'शर्म आनी चाहिए....' लोगों को मरने के लिए छोड़ दिया गया है।' सुनवाई के दौरान अदालत पराली जलाने पर रोक न लगा पाने से सबसे ज्यादा नाराज दिखा और अफसरों को गैर जिम्मेदार माना। वैसे देखें तो अदालत की नाराजगी जायज भी है, क्योंकि पिछले कुछ सालों से अदालत प्रदूषण व पराली को लेकर कई निर्देश जारी करती आ रही है, लेकिन पालना में कोताही बरती जा रही है। पिछले कुछ सालों से दिल्ली व एनसीआर की हवा जानलेवा होती रहने के बावजूद इस संकट से निपटने को लेकर संबंधित सरकारें अनदेखी बरतती रही हैं, लगता है उन्हें इस बेहद गंभीर संकट की कोई फिक्र ही नहीं है।

दिल्ली सहित उत्तर भारत के कई राज्यों में पिछले डेढ़ माह से हवा जहरीली होकर बह रही है। जिसने लोगों की नींद उड़ा रखी है। दिल्ली की तो बेहद खराब हालात हैं। सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित ईपीसीए ने दिल्ली और एनसीआर में पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी घोषित कर कुछ स्कूलों में छुट्टियां कर दी। प्रधानमत्री कार्यालय की नींद भी उड़ गई है। दिल्ली सरकार की ओर से प्रदूषण से निपटने के जितने भी जतन हुए उनसे राहत नहीं मिली। हवा की गुणवत्ता को लेकर केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड नित्य नए आंकड़े जारी करता रहा है जो चिंता बढ़ाने वाले हैं। दिल्ली में प्रदूषण के लिए हरियाणा व पंजाब के खेतों में जलाई गई पराली को प्रदूषण बढ़ाने का सबसे बड़ा कारण बताया गया। जहरीली हवा का प्रकोप दिल्ली-एनसीआर तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि राजस्थान की राजधानी जयपुर सहित कई शहरों की हवा सांस लेने योग्य नहीं रही। उत्तर प्रदेश के लखनऊ शहर से लेकर राज्य के कई शहरों में प्रदूषित हवा लोगों की जान के लिए खतरा बन गई। पंजाब व हरियाणा के कई शहर भी प्रदूषित हवा के शिकार रहे हैं। दिल्ली में ऑड-इवेन व्यवस्था फिर लागू करनी पड़ी।

> **एक दम स्वच्छ, साफ और नीला आसमान होगा तभी फेफड़े स्वच्छ वायु से पोषित होकर आदमी के बेहतर स्वास्थ्य की गारंटी देंगे। सांस लेने के अधिकार से किसी प्रकार का समझौता संभव नहीं है। यह हम सबकी जंग है, जिसे जीतना ही होगा।**

दिल्ली के भलस्वा डेरी इलाके में कचरे के पहाड़ से फैलता प्रदूषण भी चिंता का कारण है। ओखला ओर गाजीपुर की हालत खराब है। नतीजतन धुएं और धुंध की चादर में लिपटी दिल्ली में दम घुटने की

स्थिति पैदा होती रहती है। भलस्वा डेरी में मौजूद कचरे के पहाड़ से उपजी समस्या कोई नई नहीं है। इसमें कई बार लगी आग की वजह से आसपास के इलाकों में लोगों का सहजता से सांस लेना तक दूभर होता रहा है।

सरकार और संबंधित महकमों की ऐसी ही लापरवाही और अनदेखी का नतीजा है कि कचरे के ये पहाड़ आज राजधानी की बड़ी समस्या बन चुके हैं। भलस्वा डेरी के पास करीब सत्तर एकड़ में कचरा और मलबा डालने के जारी क्रम की वजह से इसकी ऊंचाई आज सतह से बासठ मीटर ऊपर हो चुकी है। करीब अस्सी लाख टन कूड़े का बोझ बन चुके इस पहाड़ पर सड़ते हुए कचरे से जिस तरह प्रदूषण फैल रहा है, उसके प्रति आंखें मूंद लेने के रवैये ने आज हालत यह कर दी है कि उस समूचे इलाके में स्थित कॉलोनियों में रहने वाले लोगों में सांस फूलने, टीबी, एलर्जी, दूषित पानी की वजह से पेट के रोगों सहित कई गंभीर बीमारियां पनप रही हैं। सवाल है कि प्रदूषण से लड़ने के लिए ऑड-इवन सहित दूसरे तमाम इंतजामों की घोषणा करती सरकार की नज़र में क्या कचरे के पहाड़ से फैलते प्रदूषण से उपजी समस्या की कोई जगह है? मुश्किल यह है कि कई बार अदालती निर्देशों के बावजूद इसके हल के लिए कोई ठोस पहल अब तक नहीं हो सकी है। आज दिल्ली में प्रदूषण के गंभीर हालत में पहुंच जाने के बाद यह कहना मुश्किल है कि अदालत के निर्देशों सहित बाकी योजनाओं पर कितना अमल हुआ।

एक शोध के अनुसार वायु प्रदूषण भारत में मौत का पांचवां सबसे बड़ा कारण है। दिल्ली में वायु प्रदूषण बढ़ने की वजह वाहनों की बढ़ती हुई संख्या है। इधर, विश्व स्वास्थ्य संगठन का नया अध्ययन यह बताता है कि हम वायु प्रदूषण की समस्या को दूर करने को लेकर कितने लापरवाह हैं और समस्या कितनी भयावह होती जा रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक प्रति क्यूबिक मीटर हवा में पीएम 2.5 की 25 माइक्रोग्राम तक की मात्रा को सुरक्षित समझा जाता है। हालांकि भारतीय अधिकारी इसे 60 माइक्रोग्राम तक सुरक्षित मानते हैं। पिछले साल जब दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों की सूची तैयार की जा रही थी, तब कानपुर में पीएम 2.5 की मात्रा 173 माइक्रोग्राम थी। आईआईटी कानपुर के इनवायरमेंटल इंजीनियर प्रोफेसर सच्चिदानंद त्रिपाठी कहते हैं कि इस सूची में सिर्फ कानपुर का ही नाम नहीं था। वो कहते हैं, 'शीर्ष 50 सबसे प्रदूषित शहरों में वाराणसी, लखनऊ और प्रयागराज सहित गंगा के किनारे बसे हुए 20 से अधिक शहरों के नाम थे। एक के बाद एक आंकड़े यह बता रहे हैं कि प्रदूषण एक बड़ी समस्या है और हवा की गुणवत्ता बहुत खराब है।'

स्वच्छ वायु पाने के लिए हमें ईंधन खपत के अपने तरीके में व्यापक बदलाव करने होंगे। कोयले के इस्तेमाल को पूरी तरह से बंद करना होगा। बसों, मेट्रो, साइकिल ट्रैक और पैदल पथ में निवेश करके सड़कों पर निजी वाहनों की संख्या में कमी करना होगा। प्रदूषण फैलाने वाले पुराने वाहनों को उपयोग से हटाना होगा, लेकिन इन उपायों का तब तक ज्यादा लाभ नहीं होगा, जब तक कि हम प्रदूषण के स्थानीय स्रोतों पर लगाम नहीं लगाते। हमें कचरा-कूड़ा जलाने, धूल फैलाने और खाना बनाते समय अनावश्यक धुआं पैदा करने की आदत छोड़नी पड़ेगी। इन प्रदूषणों को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करना तब तक मुश्किल है, जब तक कि जमीनी स्तर पर प्रयास नहीं किए जाते, जब तक इनका विकल्प नहीं खोज लेते।

प्लास्टिक और अन्य औद्योगिक-घरेलू कचरे को अलग करना होगा, एकत्र करना होगा और शोधित करना होगा। कचरा कहीं फेंक देना या जला देना का समाधान नहीं है।

भलसवां डेरी के पास जमा कचरे का पहाड़

K.S. Micro-chem Pvt. Ltd.
Minerals & Chemicals
Polytube Pvt. Ltd.

Dhirendra Singh Sachan
(Managing Director)
State Co-Convener Industrial Cell
B.J.P. Rajasthan

Manufacturers of :

Grounded Calcium Carbonate
Superfiller Powder ISI
Saaras® Rigid UPVC Pipe
(AS ISO 9001:2000 Company)

ISO 9001:2000 Reg. No.: RQ91:2091

Rohan Singh Sachan
(Associate Director)

Head Office : 1/9, First Floor, Pratap Nagar, K.Vidyalaya Marg, Udaipur
Kanpur Office : 1346, Block-W-2, Damodar Marg, Kanpur (U.P.)
Jaipur Office : 1265, Rani Sati Nagar (Nirman Nagar)
Kolkata Office : 70-C, S.N. Chattergee Road, Behla Kolkatta (W.B.)
Udaipur Factory : F-269, RIICO Industrial Area, Gudli, Udaipur (Raj.)
Dausa Factory : F-90, RIICO Bapi Dausa (Raj.)
Jaipur Factory RIICO Industrial Area, Bassi, Jaipur (Raj.)

Ph.: 0294-2493006, 2490850
Mo.: 09414166598, 09352505700
Email.: info@ksmicrochempvt.com
info@kspolytube.com
dhirendar.singh3999@gmailcom
Web.: www.ksmicrochem.com
www.kspolytube.com

भारत के नए प्रधान न्यायाधीश ए. एस. बोबडे

✍ गौरव शर्मा

देश के 47वें प्रधान न्यायाधीश के रूप में 18 नवम्बर को जस्टिस शरद अरविन्द बोबडे(63) को राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द ने शपथ दिलाई। वे सेवानिवृत्त रंजन गोगोई के बाद वरिष्ठता क्रम में पहले हैं। रंजन गोगोई ने अगले प्रधान न्यायाधीश की नियुक्ति के लिए परम्परा का निर्वहन करते हुए अपने से वरिष्ठता क्रम में दूसरे स्थान पर रहे जस्टिस बोबडे का नाम अपनी सेवानिवृत्ति से एक माह पूर्व ही केन्द्र सरकार को भेज दिया था। जिस पर राष्ट्रपति ने मंजूरी की मोहर लगाई। उनका कार्यकाल 17 माह का होगा और वे अप्रेल 2021 में रिटायर होंगे।

जस्टिस अरविन्द शरद बोबडे का जन्म 24 अप्रेल 1956 को महाराष्ट्र के नागपुर में हुआ था। इस क्षेत्र से प्रधान न्यायाधीश बनने वाले वे दूसरे जस्टिस हैं, इससे पहले इस क्षेत्र के हिदायतुल्ला मुख्य न्यायाधीश रह चुके हैं। बोबडे ने नागपुर विश्वविद्यालय से बीए और एलएलबी की डिग्री हासिल की। 1978 में वे बार काउंसिल ऑफ महाराष्ट्र से जुड़े। इसके बाद बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर बेंच में लॉ की प्रैक्टिस की और 1998 में वरिष्ठ अधिवक्ता बने। सन् 2000 में जस्टिस बोबडे ने बॉम्बे हाईकोर्ट में बतौर एडिशनल जज पदभार ग्रहण किया था। इसके बाद 2012 में वह मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस बने। 2013 में उन्होंने सुप्रीम कोर्ट जज का पद संभाला।

वकील परिवार से नाता

जस्टिस बोबडे का नाता वकीलों के परिवार से है। पिता अरविन्द श्रीनिवास बोबड़े को दो बार महाराष्ट्र सरकार का महाधिवक्ता नियुक्त किया गया – पहली बार 1980 में कांग्रेस के मुख्यमंत्री ए. आर. अंतुले ने और दूसरी बार 1985 में अगली कांग्रेस सरकार ने। उनके भाई विनोद बोबडे भी उच्चतम न्यायालय में अधिवक्ता थे। रामजन्मभूमि-बाबरी मस्जिद मामले की रोजाना सुनवाई कर रही पांच जजों की संवैधानिक पीठ में चीफ जस्टिस रंजन गोगोई, जस्टिस डी. वाई. चंद्रचूड़, जस्टिस अशोक भूषण और जस्टिस एस. ए. नजीर के साथ वह भी शामिल रहे।

महत्वपूर्ण भूमिका में रहे

जनवरी 2018 में चीफ जस्टिस दीपक मिश्रा और उनके खिलाफ प्रेस कांफ्रेंस करने वाले चार वरिष्ठतम जजों जस्टिस गोगोई, चेलमेश्वर, लोकुर और जोसेफ के बीच मतभेद दूर करने में भी इन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। बतौर वकील 21 साल तक प्रैक्टिस करने वाले जस्टिस बोबडे आदर्श हाउसिंग सोसायटी घोटाले और लवास कॉर्पोरेशन लिमिटेड के खिलाफ दाखिल की गई जनहित याचिका जैसे कई बड़े मामलों के फैसले से जुड़े रहे। वे तीन जजों वाली उस पीठ में भी थे, जिसने रंजन गोगोई और रोहिंटन फली नरीमन के साथ राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर से जुड़े मामले की सुनवाई की। चीफ जस्टिस गोगोई के खिलाफ यौन शोषण के आरोपों की पड़ताल करने के लिए जस्टिस इंदिरा बनर्जी और इंदु मल्होत्रा के साथ जस्टिस बोबडे का भी चयन किया गया था। वे उस दो सदस्यीय पीठ में भी रह चुके हैं, जिसने लॉर्ड बसवन्ना के समर्थकों की धार्मिक भावनाएं भड़काने के आरोपों से संबंधित कर्नाटक सरकार के एक पुस्तक को प्रतिबंधित करने के फैसले को बरकरार रखा था। 2015 में आधार कार्ड मामले में उनके साथ पीठ में जस्टिस सी. नागप्पन और चेलमेश्वर शामिल थे और पीठ ने कहा था कि आधार कार्ड न होने पर किसी भी व्यक्ति को लाभ से वंचित नहीं किया जाना चाहिए।

शेफाली ने तोड़ा सचिन का रिकॉर्ड

हरियाणा की छोरी का विस्फोटक अंदाज

ओपनर मिताली राज ने लिया सन्यास

✍ मदन पटेल

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की युवा सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने 9 नवम्बर को नागपुर में वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में ताबड़तोड़ अर्धशतक जड़ा।

इस पारी के दौरान उन्होंने भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का 30 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। अपना कुल पांचवां टी-20 मैच खेल रही शेफाली ने करियर का पहला अर्धशतक भी जड़ा।

इतिहास में नाम दर्ज : 15 वर्षीय शेफाली ने 49 गंदों में 73 रन की पारी खेली। इस तरह से क्रिकेट के किसी भी प्रारूप में सबसे कम उम्र में अर्धशतक जड़ने वाली वह पहली भारतीय बल्लेबाज बन गई हैं।

शेफाली ने यह उपलब्धि 15 साल और 285 दिन की उम्र में हासिल की। इससे पहले यह रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम था। सचिन ने अपना पहला टेस्ट अर्धशतक 16 साल और 214 दिन की उम्र में बनाया था।

शेफाली ने अपनी अर्धशतकीय पारी के दौरान छह चौके और चार छक्के लगाए। उसकी इस पारी से भारत ने वेस्टइंडीज पर 84 रन से बड़ी जीत दर्ज की। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 185 रन का विशाल स्कोर बनाया। जवाब में वेस्टइंडीज की टीम निर्धारित 20 ओवर में नौ विकेट पर 101 रन ही बना सकी।

बेजोड़ साझेदारी : शेफाली ने इस मैच में स्मृति मंधाना के लिए के लिए रिकॉर्ड साझेदारी भी की। दोनों सलामी बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 15.3 ओवर में 143 रन जोड़े। यह टी-20 में किसी भी विकेट के लिए भारत की ओर से सबसे बड़ी साझेदारी है। इन दोनों ने थिरुष कामिनी और पूनम राउत का 130 रन की साझेदारी का रिकॉर्ड तोड़ा, जो उन्होंने 2013 में बांग्लादेश के खिलाफ बनाया था।

अनुभवी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने 67 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली। मंधाना ने 46 गेंद खेलते हुए चार चौके लगाए।

शेफाली हरियाणा के रोहत की रहने वाली हैं और भारतीय महिला क्रिकेट में उनकी तुलना महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर और विरेन्द्र सहवाग से की जाती है। ऐसा इसलिए क्योंकि वह काफी आक्रामक बल्लेबाज हैं। इस युवा खिलाड़ी ने पिछले महीने सूरत में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ करियर के सिर्फ दूसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 46 रन की पारी खेली थी। शेफाली के भविष्य को देखते हुए दिग्गज महिला ओपनर मिताली राज ने हाल ही में टी-20 प्रारूप से संन्यास ले लिया था।

चाहर टी-20 में हैट्रिक लेने वाले पहले भारतीय

तेज गेंदबाज दीपक चाहर टी-20 में हैट्रिक लेने वाले भारत के पहले गेंदबाज बन गए हैं। बांग्लादेश के खिलाफ 10 नवम्बर को चाहर ने नागपुर में 7 रन देकर छह विकेट लिए। यह इंटरनेशनल टी-20 में दुनिया के किसी गेंदबाज का सबसे अच्छा प्रदर्शन है। भारत ने पहले खेलते हुए 5 विकेट पर 174 रन बनाए। जवाब में बांग्लादेश की टीम 19.2 ओवर में 144 रन पर ऑलआउट हो गई। इसके साथ टीम ने तीन मैचों की सीरीज 2-1 से जीत ली। टीम इंडिया बांग्लादेश को टी-20 में 10 बार हराने वाली पहली टीम बन गई है। चाहर को 'मैन ऑफ द मैच' और 'मैन ऑफ द सीरज' चुना गया। दीपक राजस्थान के रहने वाले हैं।

दीपक चाहर की हैट्रिक

2.6 : शेफुल इस्लाम(कैच)

3.1 : मुस्तफिजुर रहमान(कैच)

3.2 अमिनुल इस्लाम(बोल्ड)

भारत की ओर से तीनों फॉर्मेट में पहली हैट्रिक लेने वाले

- टेस्ट : हरभजन सिंह(2001) विरुद्ध ऑस्ट्रेलिया, कोलकाता में
- वनडे : चेतन शर्मा(1987) विरुद्ध न्यूजीलैंड, नागपुर में
- टी-20 दीपक चाहर(2019) विरुद्ध बांग्लादेश, नागपुर में

मयंक ने ब्रेडमैन का रेकॉर्ड तोड़ा

इंदौर। बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल के दोहरे शतक(243) से वे सबसे कम पारियों में दो दोहरे शतक लगाने वाले खिलाड़ियों की सूची में दूसरे पायदान पर आ गए। उन्होंने 12 पारी में यह कारनामा करते हुए सर डॉन ब्रेडमैन(13 पारी) का रेकॉर्ड तोड़ा। मयंक से आगे भारत के ही विनोद कांबली हैं, जिन्होंने पांच पारियों में दो दोहरे शतक जड़े थे।

खिलाड़ी	देश	पारी
विनोद कांबली	भारत	05
मयंक अग्रवाल	भारत	12
डॉन ब्रैडमैन	ऑस्ट्रेलिया	13
लॉरेंस रो	वेस्टइंडीज	14
ग्रीम स्मिथ	द. अफ्रीका	15
वॉली हेमंड	इंग्लैंड	16
चेतेश्वर पुजारा	भारत	18

सम्मान

गुलाब कोठारी को राजा राम मोहन राय पुरस्कार

जयपुर। राजस्थान पत्रिका समूह के प्रधान सम्पादक गुलाब कोठारी को प्रतिष्ठित राजा राम मोहन राय पुरस्कार प्रदान किया गया। भारतीय प्रेस परिषद की ओर से दिया जाने वाला यह पत्रकारिता का शीर्ष पुरस्कार है। यह पुरस्कार पत्रकारिता में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया जाता है। राष्ट्रीय प्रेस दिवस के मौके पर 16 नवम्बर को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में कोठारी को यह पुरस्कार प्रदान किया गया। इससे पहले गुलाब कोठारी को पत्रकारिता के क्षेत्र में कई प्रतिष्ठित सम्मान मिल चुके हैं।

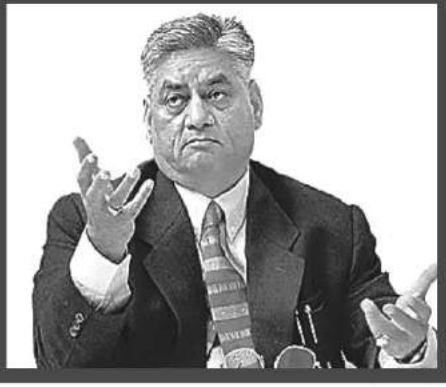

कैसा रहेगा आपके लिए यह माह ?

पं. सोमालाल शर्मा

मेष

यह माह आपको उत्तम फल प्रदान करेगा, सब कुछ पक्ष में होता प्रतीत होगा, आप नई ऊर्जा परिपूर्ण रहेंगे, जिन कामों को भी चुनेंगे उनमें आशातीत सफलता प्राप्त होगी। आर्थिक पक्ष लाभप्रद, स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा। दाम्पत्य जीवन में मधुरता रहेगी।

वृषभ

मित्रों का सहयोग लाभ दिलायेगा। कला के क्षेत्र में प्रयासरत जातकों को खुशखबरी मिलेगी, कानूनी मामले सुलझ सकते हैं। आर्थिक रूप से जूझना पड़ेगा, खर्च पर नियंत्रण आवश्यक है। नए व्यवसाय के बारे में सोच फिलहाल टाल देवें, नौकरीपेशा लापरवाही से बचें।

मिथुन

यात्राओं से व्यवसायिक सम्बन्धों में सुधार और धार्मिक अनुष्ठानों में मन लगेगा। यह माह नए अवसर उपलब्ध करायेगा, विद्यार्थियों के लिए संघर्ष का समय है। आर्थिक स्थिति व स्वास्थ्य ठीक रहेगा, नौकरीपेशा सन्तुष्ट रहेंगे, व्यापार में हालत पहले से बेहतर बनेंगे और जीवनसाथी का पूर्ण सहयोग मिलेगा।

कर्क

यह माह आपके लिए सामान्य नहीं प्रतीत होता है, बेवजह किसी से उलझना एवं अनिर्णय की स्थिति से बचना होगा, खर्चों में बढ़ोतरी होगी, अपने ही लोग आपसे अनुचित लाभ उठाने का अवसर तलाशेंगे, धन के मामलों में उतार-चढ़ाव रहेगा, स्वास्थ्य भी अनुकूल नहीं रहेगा, वैवाहिक सम्बन्धों में कटुता, कार्य क्षेत्र में संयम बरतें।

सिंह

यह माह आपको व्यापक अवसर प्रदान करेगा। धैर्य से काम लेवें। सरकारी एवं गैर सरकारी पदों पर कार्यरत जातकों को तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। पुराने निवेश का इस समय उचित लाभ मिलेगा, व्यापार में निवेश का उत्तम समय।

कन्या

माह का पूर्वार्द्ध उत्तम किन्तु उत्तरार्द्ध में मायूसी रहेगी, हठधर्मिता से रिश्ते-नातेदार नाराज़ होंगे। निजी और राजकीय कार्यों में सावधानी आवश्यक है। आर्थिक पक्ष और स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। व्यवसाय में भागीदारी न करें।

तुला

फर्जी आर्थिक योजनाओं में फंसने से बचे, निवेश में काफी सावधानी रखें, माह का उत्तरार्द्ध सुकून भरा रहेगा, भौतिक सुख में वृद्धि रहेगी, पैरों में समस्याएं उभर सकती हैं। पैतृक मामलों में उलझनें बनी रहेंगी, मान-सम्मान एवं प्रतिष्ठा पर आघात सम्भव। सावधनीपूर्वक व्यवहार करें।

वृश्चिक

माह के उत्तरार्द्ध में स्थितियां अनुकूल बनेगी, सोचने की अपेक्षा करने में ज्यादा सक्रिय रहें। व्यवसाय एवं कार्य क्षेत्र में प्रगति, गुस्से पर नियंत्रण आवश्यक, सेहत का पूरा ख्याल रखें। सन्तान सुख सामान्य, परिवार में मांगलिक कार्य।

धनु

आपका स्वभाव आपके विरोधियों की सूची लम्बी कर सकता है। खर्चों में वृद्धि होगी, दूर की यात्राओं के योग भी बनेंगे, नौकरीपेशा जातक लापरवाही से बचें एवं व्यवसायी कोई नया कार्य न करें, दाम्पत्य जीवन में खटपट रहेगी।

मकर

यह माह सामान्य सा प्रतीत होता है, आकस्मिक व्यय परेशानी में डाल सकता है, रिश्तेदारों की बेजा मांगों से परेशानी बढ़ सकती है, स्थाई सम्पत्ति में अड़चनें सम्भव, कार्य क्षेत्र में अव्यवस्था आपको चिंता में डालेगी, कदम-कदम पर सावधानी आवश्यक है।

कुम्भ

राजनैतिक महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति होगी, घर-परिवार में आनन्द मिलेगा, जोखिम भरे कार्यों को करने से भी लाभ मिलेगा, व्यक्तियों के दिलोदिमाग पर आप छाए रहेंगे, धार्मिक आस्थाओं के प्रति लगाव बढ़ेगा, मन मुताबिक कार्य होने से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

मीन

माह का पूर्वार्द्ध अनुकूल एवं उत्तरार्द्ध मायूस करने वाला होगा, किसी भी कार्य में मन नहीं लगने से कर्तव्यों के निर्वहन में काफी मशक्कत करनी पड़ेगी, सन्तान पक्ष से मन चिन्तित रहेगा, वाहन चलाते समय सावधानी रखें, व्यवसाय में अपने रिश्तेदार को भागीदार न बनाएं, नौकरी के दौरान तनाव बना रहेगा, आर्थिक पक्ष सामान्य है।

RK PHOSPHATES
PRIVATE LIMITED
UDAIPUR

Manufacturer:

- Di Calcium Phosphate (Feed Grade)
- Phosphatic Chemicals
- Lime Stone Powder
- Calcium Carbonate (Nano Micron Size)
- Dolomite Powder (Micronized)
- Calcite Powder (Micronized High Grade)
- Industrial Minerals

Corporate Office
'Singhvi House'
6 – Residency Road
Udaipur (Raj.) India

Works:
Umarda
Jhamar Kotra Road
Udaipur (Raj.)

Contact: Tel: +91 294 2422707, Mb. +91 9414165298,
+91 9829040501 Email:rkphosphates@gmail.com, www.rkphosphates.com
An ISO 9001:2008 Certified Company

सनाढ्य समाज परिचय सम्मेलन

कोटा। सनाढ्य ब्राह्मण महासभा राजस्थान के यहां 3 नवम्बर को सम्पन्न परिचय सम्मेलन में विवाह योग्य 487 युवक-युवतियों ने परिचय दिया। कार्यक्रम में 21 संयुक्त आदर्श परिवारों को सम्मानित किया गया। इसी दिन अन्नकूट महोत्सव भी हुआ, जिसमें दिल्ली के कलाकारों ने भजन प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम में कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष अरविन्द कौशल, पूर्व मंत्री अरूण चतुर्वेदी, कुलपति प्रो. दिनेश जोशी, आयोजन समिति अध्यक्ष गिर्राज शर्मा, अन्नकूट समिति अध्यक्ष कृष्णानंद सनाढ्य, संरक्षक श्याम पाठक, युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष नवीन शर्मा ने भी विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम में डॉ. अमिता बिरला ने परिणय परिचायिका स्मारिका का ऑनलाइन विमोचन किया। कार्यक्रम में सनाढ्य समाज व सर्वब्राह्मण महासभा के विभिन्न जिलों के पदाधिकारी भी बड़ी संख्या में मौजूद थे।

क्षत्रिय महासभा सम्मान समारोह

उदयपुर। मेवाड़ क्षत्रिय महासभा की ओर से पिछले दिनों आयोजित समारोह में प्रदेश के विभिन्न विवि और महाविद्यालयों में नवनिर्वाचित छात्रसंघ पदाधिकारियों का सम्मान हुआ। महासभा के केन्द्रीय अध्यक्ष बालू सिंह कानावत, मनोहर सिंह थाना, महेन्द्र सिंह आगरिया, तेजसिंह बांसी, जेएनयू जोधपुर के छात्रसंघ अध्यक्ष रवीन्द्र सिंह भाटी, लवदेव सिंह कुराबड़, देवेन्द्र सिंह देवड़ा, देहात कांग्रेस अध्यक्ष लालसिंह झाला, लालसिंह देवड़ा, दरियाव सिंह चुण्डावत, गिर्वा प्रधान तख्तसिंह शक्तावत, पदम सिंह पाखंड, नवल सिंह जूड़ सहित अन्य वरिष्ठ समाजजनों ने कार्यक्रम में शिरकत की। महासभा अध्यक्ष चंद्रवीर सिंह करेलिया ने विचार व्यक्त किए। गिर्वा अध्यक्ष शिवदान सिंह देवड़ा एवं बड़गांव अध्यक्ष गोवर्धन सिंह झाला ने आभार जताया। संचालन कमलेन्द्र सिंह पंवार ने किया।

तलेसरा को डॉक्टरेट की उपाधि

उदयपुर। उदयपुर चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री के पूर्व अध्यक्ष, उद्योगपति पीएस तलेसरा को डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया गया। संयुक्त राज्य अमरीका के देलावर राज्य की यूरोपियन कॉन्टीनेन्टल यूनिवर्सिटी की ओर से तलेसरा को मुम्बई में आयोजित समारोह में दी गई। उन्हें व्यावसायिक उद्यामिता ज्ञान एवं अनुभव के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रोफेशनल एन्टरप्रेन्योरशिप के लिए डॉक्टरेट की उपाधि दी गई। उपाधि एक्जीक्यूटिव गवर्नर जनरल और डीन ने प्रदान की।

'तुक्तक' जार के पुनः जिलाध्यक्ष

उदयपुर। डॉ. तुक्तक भानावत को जर्नलिस्ट एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (जार) की उदयपुर इकाई का अध्यक्ष चुना गया है। चुनाव पर्यवेक्षक मुकेश मुन्दड़ा एवं अजय आचार्य थे। प्रदेशाध्यक्ष हरिवल्लभ मेघवाल एवं प्रदेश महासचिव अतुल अरोड़ा ने चुनाव का अनुमोदन किया। डॉ. भानावत ने चयन पर आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आने वाले समय में संगठन को अधिक सक्रिय एवं पत्रकारों के हितार्थ मजबूत बनाया जाएगा।

डॉ. कुंजन आचार्य बने प्रवक्ता

उदयपुर। सुखाड़िया विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जे. पी. शर्मा ने पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्रभारी डॉ. कुंजन आचार्य को विवि का प्रवक्ता नियुक्त किया है। डॉ. कुंजन इससे पूर्व 2012 से 13 सितम्बर 2019 तक इसी पद पर कार्यरत थे।

मधुमेह जागरूकता रैली

उदयपुर। पिछले माह पारस जेके हॉस्पीटल शोभागपुरा की ओर से फतहसागर की पाल पर एक दिवसीय मधुमेह जागरूकता दिवस मनाया गया। इससे पूर्व शहर में रैली निकाली गई। नि:शुल्क जांच कर 77 मधुमेह पीड़ितों को परामर्श दिया गया। शाम को डॉ. जय चोर्डिया ने एक विशेष कार्यक्रम में अपनी वार्ता में डायबिटीज(मधुमेह) होने पर कैसे आजीवन स्वस्थ रहा जा सकता है, पर विशद् जानकारी दी। डॉ. संदीप भटनागर और हॉस्पीटल के फेसिलिटी डायरेक्टर विश्वजीत कुमार ने भी विचार व्यक्त किए।

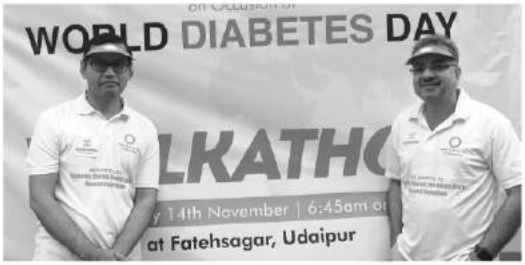

बैंक मेले में अरबन बैंक की सहभागिता

विजन 2020 के तहत व्यवसाय वृद्धि की व्यापक पहल

चित्तौड़गढ़। चित्तौड़गढ़ अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लि. ने पिछले दिनों दो दिवसीय ग्राहक बैंक मेले में विजन 2020 के तहत ऋण एवं जमा योजनाओं को प्रदर्शित करते हुए स्टाल लगाई। जिसका उद्घाटन बैंक चेयरपर्सन विमला सेठिया ने किया।

प्रबन्ध निदेशक वन्दना वजीरानी ने बताया कि उद्घाटन कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि भारतीय स्टेट बैंक के महाप्रबन्धक विकास जग्गा, बड़ौदा ग्रामीण बैंक के सहायक महाप्रबन्धक आलोक जैन, लीड बैंक प्रबन्धक एस. के. मेहंदीरत्ता, स्टेट बैंक के मुख्य प्रबन्धक राजेन्द्र सिंह भाटी व अजय कुमार पंचोली, नाबार्ड के

सचिन बडतिया, अरबन बैंक के संस्थापक अध्यक्ष डॉ.(सीए) आई. एम. सेठिया, निदेशक आदित्येन्द्र सेठिया, हस्तीमल चोरडिया, महेश सी. सनाढ्य, रणजीत सिंह नाहर एवं बी. के. डाड सहित कई बैंक अधिकारी व ग्राहकगण उपस्थित थे। चेयरपर्सन विमला सेठिया ने कहा कि बैंक सरकारी योजनाओं में सहयोग कर आमजन को लाभान्वित करने का हर संभव प्रयास करेगा।

प्रबन्ध निदेशक वन्दना वजीरानी ने विजन 2020 योजनाओं से अवगत कराया। प्रबन्धक (प्रशासन) जे. पी. जोशी, प्रबन्धक राजेश अवस्थी व आशीष बारेगामा ने अतिथियों का स्वागत किया।

राष्ट्रहित में कार्य की शपथ

उदयपुर। बैंक ऑफ बड़ौदा उदयपुर क्षेत्र की मेजबानी में लौहपुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती 'राष्ट्रीय एकता दिवस' पर फतहसागर की पाल पर रन फॉर यूनिटी हुई। उपस्थित स्टाफ सदस्यों ने राष्ट्रीय एकता एवं राष्ट्रहित में कार्य करने की शपथ ली। क्षेत्रीय प्रमुख आर. के. मीना ने कहा कि पटेल का भारत की एकता में अविस्मरणीय योगदान है। उन्होंने सदैव राष्ट्रहित में कार्य का आव्हान किया।

गोल्ड मेडल से सम्मानित

उदयपुर। न्यू भूपालपुरा स्थित सेन्ट्रल पब्लिक सी. सै. स्कूल में साइंस ओलम्पियाड फाउण्डेशन दिल्ली की मेजबानी में हुई 2018-19 की प्रतियोगिता के विजेताओं को 'स्कूल टापर्स ट्राफी' एवं 'गोल्ड मेडल ऑफ एक्सीलेंस' से सम्मानित किया गया। विजेता दीपक मसर, विश्वराज सिंह सिसोदिया, हेमन्त व्यास, मुस्कान परमार व आरोही मोटावत को निदेशिका अलका शर्मा ने बधाई दी। इस अवसर पर प्रशासक सुनील बाबेल भी उपस्थित थे।

सांसद ने खाता खुलवाया

उदयपुर। भारतीय डाक विभाग मंडल कार्यालय में सांसद अर्जुनलाल मीणा ने अपना खाता खुलवाते हुए योजना के फायदे बताए। उन्होंने कहा कि डाक विभाग के इस प्रयास से सरकार की विभिन्न योजनाओं का सीधा लाभ आमजन तक पहुंचने लगा है। इस अवसर पर मंडल के सीनियर मैनेजर अरविन्द कुमार और मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव उमेश निमावत भी उपस्थित थे।

खनिज दोहन में न हो नुकसान

निम्बाहेड़ा। माइनिंग इंजीनियर्स एसोसिएशन ऑफ इण्डिया राजस्थान चेप्टर की ओर से गत दिनों इण्डियन माइनिंग दिवस का आयोजन जेके सीमेन्ट में किया गया। जिसमें 'बेहतर कल के लिए खनन' विषयक वार्ता हुई।

मुख्य अतिथि जेके सीमेन्ट वर्क्स के यूनिट हेड ऑपरेशन एस के राठौड़ ने कहा कि खनिज बनने में लाखों साल लगते हैं। ऐसे में दोहन में होने वाले नुकसान का ध्यान रखा जाना चाहिए। एसोसिएशन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एके कोठारी ने कहा कि खनन में आधुनिक तकनीक से पर्यावरण पर दुष्प्रभावों को रोका जा सकता है।

मुख्य वार्ताकार अल्ट्राटेक सीमेन्ट के वरिष्ठ महाप्रबंधक यूनिट विक्रम सीमेन्ट वर्क्स के सेंथील मारूथमुथु, कमल नयन पालीवाल, माइनिंग इंजीनियर्स एसोसिएशन ऑफ इण्डिया के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष आर. पी. गुप्ता, राजस्थान चेप्टर उदयपुर के अध्यक्ष डॉ. एस. एस. राठौड़, राष्ट्रीय काउन्सिल मेम्बर महीम कच्छवाह ने विचार व्यक्त किए।

इंदिरा आईवीएफ में एटीएम सुविधा

उदयपुर। यहां इंदिरा आईवीएफ हॉस्पिटल में यस बैंक के एटीएम का उद्घाटन इंदिरा आईवीएफ ग्रुप के चेयरमैन डॉ. अजय मुर्डिया ने किया। इस अवसर पर डायरेक्टर फाइनेंस आशीष लोढ़ा, रिजनल हैड हितेष आनंद, क्लस्टर लीडर उमर फारुख खान, ब्रांच हैड विशाल भूतानी एवं पुनीत अग्रवाल आदि भी मौजूद थे।

सोजतिया ज्वैलर्स से अंश को मिली कार

उदयपुर। सोजतिया ज्वैलरी प्राइड ऑफ मेवाड़ के ड्रा सोजतिया ज्वैलर्स पर गत दिनों खोले गए। जिसमें उदयपुर मूल हाल अहमदाबाद निवासी अंश भावनानी प्रथम पुरस्कार की विजेता रहीं। जिन्हें आयोजित एक समारोह में कार की चाबी प्रदान की गई। सोजतिया ग्रुप के निदेशक महेन्द्र सोजतिया ने बताया कि द्वितीय पुरस्कार के रूप में अम्बालाल देवपुरा को एलईडी प्रदान की गई। इसके अलावा 100 सांत्वना पुरस्कार भी दिए गए।

एम्बुलेंस का लोकार्पण

उदयपुर। रोटरी मोक्षरथ ट्रस्ट ने एमबी हॉस्पिटल स्थित मानव सेवा समिति के प्रांगण में एम्बुलेंस का लोकार्पण किया। मोक्षरथ संचालक डॉ. अनिल कोठारी ने बताया कि एम्बुलेंस का संचालन ट्रस्ट और समिति के सहयोग से किया जाएगा। एम्बुलेंस और शव वाहन के उपयोग पर नो प्राफिट-नो लॉस के आधार पर शुल्क लिया जाएगा। ट्रस्टी वीरेन्द्र सिरोया, महेन्द्र टाया, सुभाष सिंघवी, डॉ. नरेन्द्र धींग, आनन्दीलाल मेहता, प्रकाश वर्डिया, कमरूद्दीन सादड़ीवाला, मीठालाल बोहरा, शिवरतन तिवारी मौजूद थे।

44 चितेरों का संगम

उदयपुर। देश-दुनिया से आए 44 कलाकारों ने पिछले दिनों अतीत और वर्तमान को कैनवास पर लाने का बेहतर प्रयास किया। इन्हीं कलाकारों की 88 पेंटिंग्स जुस्ता ग्रुप ऑफ होटल्स एण्ड रिसोर्ट्स में आयोजित प्रदर्शनी चित्रशाला में प्रदर्शित की गई। रिसोर्ट्स के फाउंडर एवं सीईओ आशीष वोहरा ने बताया कि देश-विदेश के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान के उद्देश्य से भारत के दिल्ली, मुंबई, कोलकाता सहित 13 देशों के 44 कलाकारों ने 3 से 9 नवम्बर तक आयोजित तीसरी वर्कशॉप में अपनी कल्पनाओं को कैनवस पर साकार किया।

शर्मा ने जयपुर में दिया प्रशिक्षण

उदयपुर। पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल के सर्जरी विभाग के लेप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ. धवल शर्मा ने अखिल भारतीय मिनिमल एक्सेस सर्जन एसोसिएशन की ओर से एसएमएस अस्पताल जयपुर में आयोजित राज्यस्तरीय कॉन्फ्रेंस में चिकित्सकों को लेप्रोस्कॉपी पद्धति द्वारा स्विचिंग(टांके) लगाने का प्रशिक्षण दिया। उन्हें सम्मानित भी किया गया।

वैद्य शोभालाल औदिच्य सम्मानित

उदयपुर। आयुर्वेद विभाग उदयपुर की ओर से जिला स्तरीय धन्वन्तरि जयंती समारोह व आयुर्वेद दिवस कार्यक्रम तेरापंथ भवन नाइयों की तलाई में हुआ। इस अवसर पर आयुर्वेद के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले चिकित्सकों, परिचारकों, मंत्रालयिक व चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों का सम्मान किया गया। अध्यक्षता आयुर्वेद विभाग के पूर्व निदेशक वैद्य कनकप्रसाद व्यास ने की। विभाग के अतिरिक्त निदेशक वैद्य बाबूलाल जैन ने बताया कि वैद्य भोलाशंकर शर्मा की स्मृति में परिवारजनों द्वारा वर्ष 2017 में प्रारम्भ किए गए लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से आयुर्वेद चिकित्सक वैद्य शोभालाल औदिच्य को सम्मानित किया गया।

अनुष्का कॉलेज सम्मानित

उदयपुर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने अनुष्का विधि महाविद्यालय को सम्मानित किया। विधिक सेवा सप्ताह समाप्त होने पर बार सभागार में हुए समारोह में डॉ. अनुष्का विधि कॉलेज के संस्थापक डॉ. एस. एस. सुराणा और कमला सुराणा को जिला एवं न्यायाधीश रवीन्द्र कुमार माहेश्वरी ने सम्मानित किया।

शर्मा संभाग अध्यक्ष

उदयपुर। आदिगौड़-सनाढ्य समाज समिति के महासचिव डॉ. अनिल शर्मा को ब्राह्मण अन्तर्राष्ट्रीय संगठन ने उदयपुर संभाग का अध्यक्ष तथा राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य मनोनीत किया है।

'फोर्टी' शाखाओं के प्रवीण को-चेयरमैन

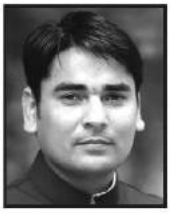

उदयपुर। फैडरेशन ऑफ राजस्थान ट्रेड एण्ड इण्डस्ट्री(फोर्टी) प्रबंधन ने उदयपुर की लोट्स हाइटेक इंडस्ट्रीज के निदेशक व युवा उद्यमी प्रवीण सुथार को राजस्थान फोर्टी की सभी शाखाओं का को-चेयरमैन नियुक्त किया।

फोर्टी अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल ने बताया कि फोर्टी राजस्थान की उद्योग एवं व्यापार जगत की शीर्ष संस्था फोर्टी का विस्तार राजस्थान के प्रत्येक तहसील(ब्लॉक) में करने का निर्णय लिया गया है। को-चेयरमैन प्रवीण सुथार के नेतृत्व में फोर्टी राजस्थान की सभी शाखाएं सक्रिय रूप से कार्य करेंगी। साथ ही प्रदेश के विभिन्न जिलों के समस्त औद्योगिक एवं व्यापारिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों को भी इसमें शामिल करने का कार्य तेजी से किया जाएगा।

डॉ. लुहाड़िया को ओरेशन अवार्ड

उदयपुर। गीतांजली मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल के चेस्ट एवं टीबी विभाग के प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. एस. के. लुहाड़िया को दिल्ली के वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टीट्यूट में पिछले दिनों आयोजित 5वें डॉ. वी. के. विजयन ओरेशन अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उन्होंने 'बैक्टीरियल लाईसेट्स' समारोह में विषय पर उपस्थित विशेषज्ञों को सम्बोधित भी किया। डॉ. लुहाड़िया के इस प्रतिष्ठित अवार्ड से सम्मानित होकर उदयपुर आने पर गीतांजली समूह के कार्यकारी निदेशक अंकित अग्रवाल, गीतांजली हॉस्पिटल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रीतम तम्बोली व सहकर्मियों ने बधाई दी।

सनाढ्य सरिता का विमोचन

उदयपुर। सनाढ्य समाज की सामाजिक पत्रिका-सनाढ्य सरिता का विमोचन मुख्य अतिथि महंत रास बिहारी शरण ने किया। डॉ. सतीश तिवारी, डॉ. अनिल शर्मा, अम्बालाल सनाढ्य, जगदीश शर्मा, गजेन्द्र सनाढ्य, रामलाल गौड़, भव्य सनाढ्य, राजेन्द्र प्रसाद सनाढ्य आदि भी मौजूद थे।

समुत्कर्ष समिति के संजय अध्यक्ष

उदयपुर। समुत्कर्ष समिति की साधारण सभा की वार्षिक बैठक मे संजय कोठारी को अध्यक्ष तथा विनोद चपलोत को सचिव निर्विरोध निर्वाचित किया गया। साधारण सभा में विगत वर्ष के कार्यों की पुष्टि के साथ आगामी वर्ष के कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा हुई। चुनाव अधिकारी लोकेश जोशी थे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष

उदयपुर। राजीव गांधी ब्रिगेड के राष्ट्रीय संयोजक सलीम भारती ने चांदमल साहू को राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया है।

शताब्दी समारोह समिति के सिंघवी चेयरमैन

उदयपुर। रोटरी अंतरराष्ट्रीय निदेशक कमल सिंघवी ने रोटरी क्लब उदयपुर के निर्मल सिंघवी को अखिल भारतीय रोटरी शताब्दी समारोह समिति में रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3054 के गुजरात व राजस्थान के लिए प्रान्तीय चेयरमैन मनोनीत किया। क्लब अध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमावत ने बताया कि इस वर्ष रोटरी भारत में अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूरे करने जा रही है। मुख्य समारोह अगले साल 11-22 फरवरी को कोलकाता में होगा।

भंवर सेठ का सम्मान

उदयपुर। महाराणा प्रताप वरिष्ठ नागरिक संस्थान का सम्मान समारोह विज्ञान समिति में 13 नवम्बर को हुआ। इसमें महासचिव भंवर सेठ के वरिष्ठ नागरिक संस्थान राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष बनने पर सम्मान किया गया। डॉ. आनन्द गुप्ता, अध्यक्ष चोसरलाल कच्छारा, डॉ. एस. एस. मौजूद थे। वरिष्ठ नागरिक संस्थान के पाली में सम्पन्न राज्यस्तरीय सम्मलेन में चुनाव सम्पन्न हुए।

इंग्लिश स्पोकन कार्यशाला

उदयपुर। रोयाटो एजुकेशन्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड व राजस्थान महिला विद्यालय बी.एड. कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में बी.एड. कॉलेज की छात्राओं के लिए क्लासरूम मैनेजमेंट एवं स्पोकन इंग्लिश की कार्यशाला का गत दिनों आयोजन किया गया। जिसमें टाइटेनियम एज्यूकेशन्स के डायरेक्टर मुकेश जणवा ने छात्राओं को बताया कि कैसे क्लासरूम में स्टूडेंट्स के साथ इंटेरेक्शन किया जा सकता है। स्टूडेंट के साथ किस तरह से अपने प्रभावशाली तरीकों से कनेक्टिविटी बिठाकर उन्हें पढ़ाई के लिए प्रेरित कर सकते हैं। प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर श्रीमती अंकुर ने मुख्य अतिथि मुकेश जणवा का स्वागत किया गया।

सर्वब्राह्मण समाज परिचय सम्मेलन

उदयपुर। चाणक्य परिवार संस्था के सर्वब्राह्मण समाज युवक-युवती परिचय सम्मेलन व यज्ञोपवित संस्कार 17 नवम्बर को महाकालेश्वर मंदिर प्रांगण में सम्पन्न हुआ।

मुख्य अतिथि पूर्व केन्द्रीय मत्री डॉ. गिरिजा व्यास, विशिष्ट अतिथि हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश विजय व्यास थे जबकि अध्यक्षता चित्तौड़गढ़ सांसद सी पी जोशी ने की। कार्यक्रम में सीबीआई कोर्ट, जोधपुर के जिला सेशन न्यायाधीश पूरण कुमार शर्मा, इंटक प्रदेश अध्यक्ष जगदीशराज श्रीमाली, पूर्व पार्षद दिनेश श्रीमाली, शंकर शर्मा, कांग्रेस के प्रदेश सचिव पंकज कुमार शर्मा, नाथद्वारा मंदिर मंडल के अधिकारी सुधाकर शास्त्री ने बटुकों को आशीर्वाद दिया। प्रारंभ में दुर्गेश शर्मा ने स्वागत किया। संरक्षक नटवरलाल शर्मा ने चाणक्य परिवार की वार्षिक गतिविधियों पर प्रकाश डाला। इस मौके पर अतिथियों ने युगल-दर्पण पुस्तक का विमोचन किया।

एकलव्य स्कूलों के खेलकूद सम्पन्न

उदयपुर। टीएडी विभाग की एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों की दो दिवसीय राज्यस्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता नवम्बर के तीसरे सप्ताह में खेलगांव में सम्पन्न हुई। उद्घाटन मुख्य अतिथि जनजाति विकास राज्यमंत्री अर्जुन सिंह बामनिया ने किया। टीएडी आयुक्त शिवांगी स्वर्णकार ने बताया कि इसमें 400 से अधिक जनजाति छात्र खिलाड़ियों ने भाग लिया। अतिरिक्त आयुक्त रामजीवन मीणा ने प्रतियोगी खेलों और व्यवस्था की जानकारी दी। इस अवसर पर परियोजना अधिकारी गीतेश्री मालवीय, टीआरआई के निदेशक दिनेश जैन और अतिरिक्त आयुक्त अंजलि राजोरिया व नरेश पानेरी भी मौजूद थे।

नमकीन व्यापार महासंघ की कार्यकारिणी घोषित

सुशील अग्रवाल

कोटा। राजस्थान नमकीन व्यापार महासंघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष गोपाल विजयवर्गीय (भीलवाड़ा) ने अपनी कार्यकारिणी में सदस्य सुशील अग्रवाल (उदयपुर), वेद प्रकाश अग्रवाल (बीकानेर) सलाहकार, कमल किशोर धुत (जोधपुर), छगन भंसाली(नागौर), श्वेता जैन(जयपुर), नरेन्द्र कौशिक(सीकर), राजीव बेलानी (उदयपुर) व नरेन्द्र कुमार गुप्ता(जयपुर) उपाध्यक्ष, कुणाल जैन (अजमेर) महामंत्री, सुखलाल साहू (उदयपुर) को कोषाध्यक्ष व प्रचार मंत्री संजय खंडेलवाल को बनाया है। इनके अलावा नारायण झंवर (भीलवाड़ा), रामनाथ अग्रवाल (कोटा), जुगल किशोर अग्रवाल (जयपुर), नवीन खंडेलवाल (जोधपुर), वीरेन्द्र भंसाली (बीकानेर) व प्रवीण अग्रवाल (उदयपुर) को संभाग प्रमुख जगदीश गांधी (कोटा) को संगठन मंत्री व प्रमोद पुर्सवानी (कोटा) को सांस्कृतिक मंत्री बनाया गया है।

सुखलाल साहू

नेहा को पीएचडी

उदयपुर। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय ने शोधार्थी नेहा सेन को पीएचडी उपाधि प्रदान की है। उन्होंने 'मेवाड़ के भित्ति चित्रण में लोक मंगल से जुड़े मिथक, प्रतीक एवं धारणाएँ - एक अध्ययन' विषय पर शोध कार्य डॉ. कहानी भानावत के निर्देशन में पूरा किया।

कमलेश शर्मा को पीएचडी

बांसवाड़ा। सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उदयपुर के उपनिदेशक कमलेश शर्मा को पेसिफिक विश्वविद्यालय, उदयपुर द्वारा पीएचडी उपाधि प्रदान की गई है। जिले के बड़ोदिया कस्बे के निवासी शर्मा को यह उपाधि 'दक्षिणी राजस्थान के लोक-सांस्कृतिक पर्वों की महत्ता एवं जनजीवन पर प्रभाव : होली के विशेष संदर्भ में' विषय पर किए गए शोध के लिए दी गई है। उन्होंने यह शोध श्री गोविन्द गुरु राजकीय महाविद्यालय, बांसवाड़ा की प्राचार्य डॉ. सरला पण्ड्या के निर्देशन में पूर्ण किया है।

रेनो क्विड की लांचिंग

उदयपुर। रेनो ने अपने ग्राहकों के लिए पहले से अधिक स्टाइल के साथ और पूरी तरह से आकर्षक और नवीनता के स्तम्भों पर निर्मित नूतन क्विड को उदयपुर में लांच किया। इस अवसर पर रेनो इंडिया के रीजनल सेल्स हेड एण्ड नेटवर्क राहुल गौड़, एरिया सेल्स, हेड संदीप खेड़ा व दिवाकर मोटर्स के मैनेजिंग डायरेक्टर राजीव नामजोशी उपस्थित थे। लांच की गई क्विड में एस यूवी इंस्पायर्ड फ्रंट फेस को एक नई सिग्नेचर लाइटिंग से पहले से बेहतर बनाया गया है। साथ ही अनोखे हैंडलैंप भी दिए गए हैं।

अणुव्रत समिति सम्मानित

उदयपुर। अणुव्रत समिति उदयपुर को राष्ट्रीय स्तर पर नगरीय श्रेणी में सराहनीय कार्य के लिए अध्यक्षीय प्रोत्साहन से सम्मानित किया गया। समिति को यह सम्मान बेंगलुरु में सम्पन्न 70वें अणुव्रत अधिवेशन में दिया गया। जिसे समिति संरक्षक गणेश डागलिया ने ग्रहण किया।

शोक समाचार

उदयपुर। स्वतंत्रता सेनानी श्री अम्बालालजी नंदावत(97) कानोड़वाला का 8 नवम्बर को यहां सेक्टर-3 स्थित उनके आवास पर निधन हो गया। राजकीय सम्मान के साथ अशोक नगर स्थित मोक्षधाम पर उनका अन्तिम संस्कार किया गया। जिला कलेक्टर एवं जिला पुलिस अधीक्षक ने उनकी पार्थिव देह पर पुष्पचक्र अर्पित किए। वे अपने पीछे व्यथित हृदय पत्नी कंकु देवी, पुत्र विद्याविनोद, पुत्रियां श्रीमती शांता पिछोलिया, कला पोखरना, प्रेमा नागौरी, सुशीला भानावत सहित पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। स्व. विश्वंभर दयाल जी शर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती शकुन्तला देवी जी का 19 अक्टूबर को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पुत्र रमेश, श्यामसुन्दर, चांदनारायण, हेमेन्द्र, महेन्द्र व पुष्पेन्द्र व पुत्री ललिता रावत सहित भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्री तख्तसिंह जी कोठारी (टी. ज्वैलर्स) का आकस्मिक स्वर्गवास 20 अक्टूबर 2019 को हो गया। वे अपने पीछे पुत्र प्रशांत कोठारी पुत्रियां सुचिता मेहता, कीर्ति बोहरा, पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों व भाई-भतीजों का विशाल एवं सम्पन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री जपुराम जी राय(गणपति इन्फ्राविजन प्रा. लि.) का 21 अक्टूबर, 2019 को आकस्मिक देहावसान हो गया। मृत्युपरांत की सभी क्रियाएं पैतृक गांव फेफना (उप्र) में सम्पन्न हुई। वे अपने पीछे व्यथित हृदय धर्मपत्नी श्रीमती विमला राय, पुत्र जयशंकर राय व जय नारायण राय तथ पौत्र-पौत्रियों का समृद्ध परिवार छोड़ गए हैं।

चित्तौड़गढ़। चित्तौड़गढ़ अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लि. के संस्थापक आई.एम. सेठियाजी के पिता व अध्यक्ष श्रीमती विमला सेठिया के ससुर श्री लादूलालजी सेठिया का 30 अक्टूबर 2019 को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पुत्र आई. एम. सेठिया, राजेश, राकेश व नितेश सेठिया तथा पुत्रियां विमला सुराणा, मधु सुराणा एवं सीमा शिशोदिया सहित पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

श्रीमती मुन्नी देवी पत्नी स्व. ताराचन्द जी सांखला(सेन) का 22 नवम्बर 2019 को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे पुत्री-दामाद पूरण देवी-नानालाल सहित दोहित्र-दोहित्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं। वे 97 वर्ष की थी। धार्मिक कार्यों व समाजसेवा में सदैव अग्रणी रही। 24 नवम्बर को एरिना स्कूल में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई।

NARAYAN SEVA SANSTHAN
Nar Seva Narayan Seva

SERVICE OF 'HUMANITY' IS SERVICE OF 'GOD'

DAILY 'FREE SERVICES' OF THE ORGANISATION

◆ 80 to 90 Polio (by birth) & other disability operations. ◆ Distribution of 50 to 80 calipers. ◆ Medical examination of 300 to 400 patients. ◆ Plastering of 80 to 90 patients. ◆ Physiotherapy service of more than 2000 persons. ◆ Natural therapy to 40 to 50 persons. ◆ Daily food for 3000 persons. ◆ Education to 100 destitute children. ◆ Teacher training to 75 deaf and dumb and ◆ mentally retarded persons through residential school. ◆ 1100 bedded hospital.

DONATION AMOUNT FOR OPERATION OF 'POLIO AFFECTED' PERSONS

No. of Surgical Operations	Donation (in INR)	No. of Surgical Operations	Donation (in Rs.)
501 Surgical operations	17,00,000	40 Surgical Operations	1,51,000
401 Surgical Operations	14,01,000	13 Surgical Operations	52,500
301 Surgical Operations	10,51,000	5 Surgical Operations	21,000
201 Surgical Operations	07,11,000	3 Surgical Operations	13,000
101 Surgical Operations	03,61,000	1 Surgical Operations	5000

BANK ACCOUNT NUMBERS

ICICI
004501000829
(IFSC CODE-ICIC 0000045)

Union Bank of India
310102050000148
(IFSC CODE-UBIN 0531014)

Punjab National Bank
2973000100029801
(IFSC CODE-PUNB0297300

State Bank of India
31505501196
(IFSC CODE-SBIN 0011406)

AXIS Bank Ltd.
097010100177030
(IFSC CODE-UTIB 0000097)

NARAYAN SEVA SANSTHAN
UDAIPUR, (Raj) INDIA
Sewadham Sewanagar, Hiran Magri,Sector-4
Udaipur (Raj) -313002

Tel.+91-294-6622222, Mobile: +919649499999
Web: www.narayanseva.org
E-mail: info@narayanseva.org
http://www.facebook.com/NssUdaipurIndia

RNOLD FITNESS CLUB

A Unit of Rosava Workspace Pvt. Ltd.

Branch 1 : Plot no 3 , 80 Feet main road, Near Sanskar -2, Navratan Udaipur (Raj)
Branch 2 : Plot No. 5, IIIrd Floor, Above SBI Bank, Sector-11, Main Road, Hiran Magri, Udaipur
Branch 3 : Inside Oriental Palace Resort, Subhash Nagar, Udaipur (Raj.)

OUR SERVICES:

Complete Health Club Facility | GYM | Cardio | Personal & Group Training
Weight Loss & Gain | Zumba | Aerobics | Yoga | EMS Fitness Training
Advance Slimming Machine | Cupping therapy

Cell : 86964 25866, 80058 81438, 63776 48456

E-mail: rnoldfitnessgym@gmail.com
Follow us @ www.facebook.com/rnoldfitnessgym

www.rnoldfitnessgym.com

★ ★ ★ ★
AMANTRA
COMFORT HOTEL
welcomes you to taste the authentic
Chinese Cuisine
grab the life by the chopsticks...
5-B, New Fatehpura,
Opp. Sahelion Ki Bari,
Near Sukhadia Circle,
Udaipur-313001
Phone : +91-294-6450124 /25
Cell : +91 8003331144/8003331199
Fax : +91-294-2428634
E-mail : reservation@amantrahotel.com
Website : www.amantrahotel.in

मना रहे हैं
Digital India
Power To Empower
बैंक ऑफ़ बड़ौदा
Bank of Baroda
विजया
VIJAYA
देना
DENA
BARODA M-CONNECT plus
BHIM Baroda Pay
BARODA CONNECT
FASTag
BHARAT BILLPAY
चलो डिजिटल हो जाएं
तेज और सुरक्षित
भुगतान का
बेहतरीन माध्यम
टोल फ्री नंबर पर कॉल करें (24x7)
बैंक ऑफ़ बड़ौदा 1800 258 44 55 1800 102 44 55
पूर्ववर्ती विजया 1800 425 5885 1800 425 9992
पूर्ववर्ती देना 1800 233 6427 022-6224 2424
www.bankofbaroda.in
हमें फॉलो करें